हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, सोमवार, 22 दिसंबर, 2025

9 भाजपा जिला कार्यकारिणी की बैठक, संगठन की मजबूती पर मंथन

10 जिले के गांवों में 31 दिसंबर तक लगेंगे विशेष शिविर

खबर संक्षेप

विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

डबवाली। पुराना हनुमान मंदिर के समीप रिहायशी इलाके में बाथरूम में नहाने गई एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। जानकारी के अनुसार बाथरूम में लगे गैस गीजर से निकली गैस या ऑक्सीजन की कमी मौत का कारण हो सकती है। हालांकि मृतका के मायके पक्ष ने मामले को संदिग्ध बताते हुए को सूचना दी है। प्रॉपर्टी डीलर का कार्य करने वाले राकेश मोंगा ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि कल शाम करीब 4.30 बजे खाना खाकर बाहर गया था। जब वह शाम 6:30 बजे वापस लौटे, तो घर में अंधेरा था और उनकी पत्नी मोनिका कहीं दिखाई नहीं दी।

मारपीट व हमला करने के मामले में युवक काबू

फतेहाबाद। रास्ता रोककर हमला करने और गंभीर चोट पहुंचाने के मामले में थाना सदर फतेहाबाद पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवक की पहचान नवनिंदर सिंह पुत्र जीत सिंह निवासी बबलपुर के रूप में हुई है। इससे पूर्व इसी मामले में पुलिस द्वारा 8 आरोपियों को पहले ही काबू किया जा चुका है। इस प्रकार प्रकरण में अब तक 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। थाना सदर फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद ने बताया कि बहबलपुर निवासी गुरप्रीत सिंह पुत्र कर्म सिंह ने अपने बयान में बताया था कि 17 नवंबर की शाम कार में सवार होकर गांव ढाणी भान सिंह रोड की ओर जा रहा था। इसी दौरान आरोपियों ने कार से उनका रास्ता रोक लिया और हमला कर दिया।

विभाग ने शुल्क में की 90 फीसदी कटौती, रोड कट फीस माफ

1550 रुपये में मिलेगा घरेलू पानी-सीवरेज का कनेक्शन

पहले पानी-सीवरेज कनेक्शन के 11946 वसूलता था विभाग

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

घरेलू पानी और सीवरेज कनेक्शन लेने के शुल्क में 90 फीसदी तक कटौती से उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिली है। जनस्वास्थ्य विभाग ने पानी व सीवरेज कनेक्शन के लिए रोड कट फीस बिलकुल माफ कर दी है। पहले पानी-सीवरेज कनेक्शन के लिए 11946 रुपये वसूले जाते थे। नई दरें लागू होने के बाद घरेलू उपभोक्ताओं का आर्थिक बोझ कम होगा और उन्हें मात्र 1550 रुपये में पानी-सीवरेज कनेक्शन फीस अदा करनी होगी। इस राहत के बाद विभाग अब शहर में बढ़ते अवैध कनेक्शनों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। केवल शहर में पानी के करीब ढाई हजार अवैध कनेक्शन सामने आए थे। विभाग ने ऐसे उपभोक्ताओं को नोटिस भेजने की प्रक्रिया तेज कर दी है। नोटिस मिलने के बाद उपभोक्ताओं को अपने कनेक्शन वैध करवाने का अवसर दिया जाएगा। अगर निर्धारित अवधि में प्रक्रिया पूरी नहीं हुई तो अगले माह से कार्रवाई चल सकती है, जिसके तहत इन्हे हटाया जाएगा। वहीं कॉमर्शियल कनेक्शन की श्रेणी में किसी प्रकार की छूट नहीं दी गई है। इसमें पहले जैसी ही 12 हजार 500 रुपये की फीस लागू रहेगी। नई दरों की घोषणा के बाद योजना पोर्टल पर अब तक करीब 50 फाइलें अपलोड हो चुकी हैं, जिनकी कार्रवाई आगे बढ़ाई जा रही है।

केबल शहर में पानी के करीब ढाई हजार अवैध कनेक्शन आए थे सामने

फतेहाबाद। पानी के अवैध कनैक्शन काटते विभाग के कर्मचारी। *फोटो: हरिभूमि*

पानी के शहर में साढ़े 17 हजार कनेक्शन

शहर फतेहाबाद में पानी के फिलहाल 17,846 और सीवरेज के 14,956 कनेक्शन पंजीकृत हैं। सर्वे के मुताबिक शहर में करीब ढाई हजार पेयजल कनेक्शन अवैध रूप से चल रहे हैं। विभाग की तरफ से गर्मियों में अभियान शुरू किया था लेकिन विरोध के चलते इसे बंद कर दिया गया था। अब फिर से विभाग अवैध कनेक्शन पर नजर रखे हुए हैं।

इन दस्तावेजों की जरूरत

- प्लम्बर की रिपोर्ट
- वॉटर वर्क्स स्टाफ की रिपोर्ट
- मकान की रजिस्ट्री की फोटो
- घर के आगे खड़े होकर मकान मालिक की फोटो
- आधार कार्ड
- फैमिली आईडी
- पानी का मीटर
- नगरपरिषद से एनओसी

कनेक्शन को वैध करवा लें : सतपाल

जनस्वास्थ्य विभाग ने पानी कनेक्शन के लिए एक हजार रुपये और सीवरेज कनेक्शन के लिए 500 रुपये फीस रखी है। इसके अलावा 50 रुपये मीटर की फीस होगी। यानि सभी तरह की फीस मिलाकर उपभोक्ता को मात्र 1550 रुपये अदा करने होंगे। इसके बाद जनस्वास्थ्य विभाग पानी बिल 60 रुपये और बिना मीटर पर 120 रुपये हर माह वसूलता है, जबकि कॉमर्शियल कनेक्शन पर पानी बिल 125 रुपये और 1250 रुपये हर माह लिया जाता है। घरेलू पानी के कनेक्शन के लिए अब सिर्फ 15550 रुपये ही देने होंगे। जिन्होंने अभी तक कनेक्शन वैध नहीं करवाया है यह इन्हें करवा लें। विभाग इन कनेक्शनों को काटने की कार्रवाई करेगा।
-सतपाल रोज, एसडीओ, जनस्वास्थ्य विभाग

फतेहाबाद। पुलिस गिरफ्त में हेरोइन सप्लायर। *फोटो: हरिभूमि*

हेरोइन तस्करी के मामले में पुलिस ने मुख्य सप्लायर सन्नी गिरफ्तार

- 6.56 ग्राम हेरोइन तथा 2 हजार रुपये की नकद राशि बरामद

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान के अंतर्गत एंटी नारकोटिक सेल फतेहाबाद ने हेरोइन तस्करी के एक मामले में मुख्य सप्लायर को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवक की पहचान सन्नी उर्फ नेवढ़ा पुत्र राजकुमार निवासी कबीर बस्ती, फतेहाबाद के रूप में हुई है। इससे पहले इसी मामले में एक आरोपी को पहले ही काबू किया जा चुका है। एएनसी टीम प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद राय ने बताया कि एएनसी टीम गश्त एवं नशीले पदार्थों की रोकथाम के उद्देश्य से सरकारी अस्पताल के पास कबीर बस्ती की ओर गश्त कर रही थी। इसी दौरान शीतला माता मंदिर के पास एक युवक पुलिस वाहन को देखकर घबरा गया और पीछे मुड़कर तेज कदमों से चलने लगा। संदेह के आधार पर युवक को काबू कर पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपनी पहचान अरुण कुमार पुत्र अशोक कुमार निवासी भराण, जिला रोहतक, हाल निवासी गुरूनानकपुरा मोहल्ला, फतेहाबाद के रूप में बताई।

पहले से 4 मामले दर्ज

तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 6.56 ग्राम हेरोइन तथा 2 हजार रुपये की नकद राशि बरामद हुई। इस संबंध में थाना शहर फतेहाबाद में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। मामले की गहन जांच के दौरान अब इसी केस में मुख्य सप्लायर सन्नी उर्फ नेवढ़ा को काबू किया गया है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी आदतन श्रेणी का अपराधी है तथा इसके खिलाफ थाना शहर फतेहाबाद एवं महिला थाना फतेहाबाद में पहले से 4 मामले दर्ज है।

सड़क हादसे में दो घायल, पुलिस ने पहुंचाया अस्पताल

- जांडली कलां बस स्टैंड के पास हुआ था हादसा

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

गांव जांडली कलां के समीप हुए सडक़ हादसे में बाईक सवार महिला सहित दो लोग घयाल हो गए। इस बारे सूचना मिलते ही फतेहाबाद पुलिस की इमरजेंसी रिस्पांस व्हीकल टीम मौके पर पहुंची और त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों घायलों को समय रहते अस्पताल पहुंचाकर सराहनीय कार्य किया। मिली जानकारी के अनुसार ईआरवी 215 टीम को गश्त के दौरान जांडली कलां बस स्टैंड के पास एक बाइक दुर्घटनाग्रस्त अवस्था में मिली। मौके पर एक महिला और एक पुरुष घायल अवस्था में पड़े हुए थे। दोनों घायलों की स्थिति को देखते हुए टीम ने बिना समय गंवाए प्राथमिक सहायता उपलब्ध कराई और तुरंत एंबुलेंस की व्यवस्था कर दोनों को सीएचसी भुना में भर्ती करवाया। ईआरवी टीम द्वारा की गई त्वरित कार्रवाई के चलते घायलों को समय पर चिकित्सीय उपचार मिल सका, जिससे उनकी स्थिति स्थिर बनी हुई है।

फतेहाबाद। घायल महिला को अस्पताल लेकर जाते पुलिस कर्मचारी। *फोटो: हरिभूमि*

पुलिस की सराहना की

अस्पताल प्रशासन द्वारा भी पुलिस की तत्परता की सराहना की गई। फतेहाबाद पुलिस ने आमजन से अपील की है कि सडक़ पर किसी भी दुर्घटना या आपात स्थिति की सूचना तुरंत पुलिस कंट्रोल रूम या नजदीकी पुलिस इकाई को दें, ताकि समय पर सहायता पहुंचाई जा सके।

नशे के खिलाफ किया जागरूक

- सिरसा में पुलिस का सर्च ऑपरेशन

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

पुलिस की विभिन्न टीमों ने सिरसा शहर के विभिन्न इलाकों में सर्च ऑपरेशन चलाया। सिरसा के पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण ने रविवार को बताया कि सर्च ऑपरेशन का मुख्य उद्देश्य नशे में संलिप्त व नशे का कारोबार करने वाले लोगों पर प्रभावी ढंग से अंकुश लगाने के लिए चलाया जाना है। उन्होंने बताया कि सर्च ऑपरेशन के दौरान जहां नशे का कारोबार करने वाले के खिलाफ पुलिस सख्त कार्रवाई कर रही है, वहीं आमजन को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक भी किया गया है। उन्होंने बताया कि सिरसा पुलिस द्वारा समय-समय पर सेमिनार व गोष्ठियों के माध्यम से शहर व गांवों में भ्रमण कर लोगों को नशा जैसी सामाजिक बुराई के खिलाफ लगातार जागरूक भी किया जा रहा है जिसके काफी सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं।

सिरसा। सर्च अभियान के दौरान पूछताछ करती पुलिस टीम।

प्रयास जारी

एसपी ने कहा कि पुलिस द्वारा समाज को नशामुक्त करने के लिए अथक प्रयास निरंतर जारी हैं और भविष्य में इस तरह के अभियान जारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने गली,गांव तथा मोहल्ले की पूरी जिम्मेदारी लेनी चाहिए तथा सिरसा पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ चलाई जा रही मुहिम में बढ़-चढक़र भाग लेना चाहिए ताकि समाज को पूरी तरह से नशा एंव अपराध मुक्त किया जा सके।

वांछित दो आरोपी पकड़े चोरीशुदा बाइक बरामद

कालांवाली। पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए एक साल से अधिक समय से वांछित दो आरोपियों को चोरीशुदा बाइक सहित काबू किया है।कालांवाली चौकी पुलिस प्रभारी पीएसआई प्रवीण कुमार ने बताया कि अतिश कुमार पुत्र ओमप्रकाश ने पुलिस में दी शिकायत में बताया कि वह अपनी बाइक पर कालांवाली में फोटो स्टेट नजदीक चौड़ी गली में गया था। वापस आया को बाइक नहीं मिली।

ऑपरेशन हॉटस्पॉट डॉमिनेशनः फतेहाबाद पुलिस ने 449 क्षेत्रों में की निगरानी, 82 आरोपी गिरफ्त में

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

जिला पुलिस द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन हॉटस्पॉट डॉमिनेशन के तहत 82 अपराधियों को धर दबोचने में कामयाबी पाई है। जिलेभर में गश्त, छापेमारी और इंटरसेप्शन बढ़ा और पुलिस द्वारा 449 से अधिक हॉटस्पॉट क्षेत्रों की निगरानी की गई है। सभी थाना/यूनिट स्तर पर विशेष टीमों ने मोहल्लों, ग्रामीण बेल्ट, बाजार क्षेत्रों और नशा प्रभावित पॉकेट्स में लगातार कॉम्बिंग की। एसपी सिद्धांत जैन के अनुसार इस अभियान के दौरान पुलिस ने अब तक 82 आरोपियों को काबू किया।

छापेमारी के दौरान ये कार्रवाई की गई

छापेमार टीमों द्वारा इन अपराधियों से 6020 नशीली गोलियां, 2.706 किलोग्राम अफीम, 417.89 ग्राम हेरोइन, 49.480 किलोग्राम डोडा पोस्त, 762 ग्राम गांजा, 44 बोतलें अवैध शराब व 230 लीटर लाहन तथा 61,280 रुपये की नकदी बरामद की है। इसके अलावा पुलिस द्वारा 38 फरार आरोपी गिरफ्तार किए गए। 7 आरोपियों की संपत्ति कुर्क की गई वहीं 8 के विरुद्ध एलओसी जारी कर 9 के पासपोर्ट रद्द करने हेतु प्रस्ताव भेजे गए हैं। फरार व इंटर-स्टेट अपराधियों की लोकेशन और निगरानी को लेकर जिला पुलिस ने 56 संदिग्ध व्यक्तियों कि अन्य राज्यों के साथ महत्वपूर्ण सूचनाओं का आदान-प्रदान किया। अभियान के दौरान पुलिस ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए 268 जरूरतमंद व्यक्तियों को सहायता प्रदान की। एसपी ने कहा कि ऑपरेशन हॉटस्पॉट डॉमिनेशन जिले को सुरक्षित बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम है और यह अभियान आगे भी पूरी सख्ती से जारी रहेगा।

चेक बाउंस मामले में वांछित गिरफ्तार

सिरसा। रानियां थाना पुलिस ने चेक बाउंस मामले में वांछित को काबू कर लिया है। रानियां थाना प्रभारी गुरमिंद्र सिंह ने बताया कि अदालत द्वारा आरोपी को बार-बार नोटिस देने पर भी आरोपी अदालत में हाजिर नहीं हुआ। अदालत के आदेशों की अवहेलना करने पर अदालत ने आरोपी हरपाल सिंह को 20 जुलाई 2025 को भगौड़ा घोषित किया था। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी के खिलाफ थाना रानियां में बीएनएस की धारा 209 के तहत मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरु की गई थी।

नए साल और क्रिसमस पर साइबर ठग सक्रिय : एसपी

- शुभकामना संदेश की आड़ में फैल रहा खतरनाक स्कैम

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने क्रिसमस और नववर्ष के मद्देनजर आमजन को साइबर ठगों से सतर्क रहने की अपील की है। उनका कहना है कि देश के कई राज्यों में साइबर अपराधियों द्वारा एक संगठित और खतरनाक ऑनलाइन स्कैम फैलाया जा रहा है, जिसका सीधा निशाना आम नागरिक हैं। एसपी ने कहा क साइबर ठग व्हाट्सएप और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए 'क्रिसमस और नए साल की शुभकामनाएं भेजने के लिए यहां क्लिक करें' जैसे आकर्षक संदेश भेज रहे हैं। इन संदेशों में दिए गए लिंक पर क्लिक करते ही मोबाइल फोन में एक एपीके फाइल डाउनलोड हो जाती है, जो दिखने में सामान्य ऐप जैसी होती है, लेकिन वास्तव में यह एक खतरनाक मालवेयर होता है। उन्होंने बताया कि जैसे ही यह फाइल मोबाइल में इंस्टॉल होती है, साइबर अपराधियों को फोन का पूरा नियंत्रण मिल जाता है। इसके जरिए वे आधार, पैन कार्ड, निजी फोटो-वीडियो, कॉल डिटेल्स और संपर्क सूची तक पहुंच बना लेते हैं। सबसे गंभीर खतरा यह है कि अपराधियों को बैंकिंग जानकारी, नेट बैंकिंग, यूपीआई डिटेल्स और ओटीपी तक की जानकारी मिल सकती है।

एसपी सिद्धांत जैन।

लोगों को दी सलाह

एसपी ने बताया कि एक बार मोबाइल पर नियंत्रण मिलते ही ठग बैंक खाते से पैसे निकाल लेते हैं और उसी मोबाइल नंबर से पीड़ित के परिचितों को भी फ्रॉड लिंक भेज देते हैं, जिससे ठगी का जाल तेजी से फैलता है। पुलिस अधीक्षक ने सलाह दी कि यदि कोई व्यक्ति गलती से ऐसे लिंक पर क्लिक कर ले, तो तुरंत मोबाइल डेटा या वाई-फाई बंद करें, संदिग्ध ऐप को डिलीट करें और अपने बैंक, यूपीआई व नेट बैंकिंग पासवर्ड तुरंत बदलें। बैंक या यूपीआई सेवा प्रदाता से संपर्क कर खाते को अस्थायी रूप से ब्लॉक करवाएं। मोबाइल को एंटी-वायरस से स्कैन करें और आवश्यकता पडऩे पर फैक्ट्री रिसेट कराएं।

कम नरमे कपास की फसल और रेडीमेड वस्त्रों के कारण खत्म हो रहे पारंपरिक धंधे

रजाई बनाने वालों का धंधा चौपट, बदलते दौर में रेडीमेड कंबल और मशीनों ने ली सोड़िया और गुदड़ी की जगह

रण सिंह माचरा ⏭भट्टूकलां

समय का दौर ऐसा बदला है कि अब पुरानी यादें भी किसी कहानी की तरह लगने लगी हैं। एक समय था जब सर्दी आने से बहुत पहले ही घर-घर में हलचल शुरू हो जाती थी। जैसे ही बरसात का मौसम ढलने लगता, वैसे ही रजाई, सोडिया और गुदड़ी भरवाने की तैयारियां शुरू हो जाती थीं। सर्दी आने में अभी डेढ़ महीना बाकी होता, लेकिन घर की महिलाएं तभी से चिंता में लग जाती थीं कि इस बार रुई कहां से आएगी, धुनाई कब होगी और रजाई कितनी मोटी भरवानी है। मोहल्ले में जैसे ही रुई धुनने वाले के आने की खबर फैलती, बच्चों के चेहरे खिल उठते। बड़ी-सी धनकनी मशीन, लकड़ी की कमानी और रुई के गुच्छे देखकर सब कौतूहल से भर जाते। धुनाई की ठन-ठन की आवाज पूरे मोहल्ले में गूंजती रहती। हर रजाई के साथ एक याद जुड़ी होती। जब रजाई पूरी होकर तैयार होती, तो उसमें सिर्फ रुई नहीं होती थी, बल्कि पूरे परिवार की गर्माहट और अपनापन भरा होता था। सर्दियों की रातों में वही भारी रजाई ओढक़र सोने का सुख आज भी शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता।

भट्टूकलां। रूई पीनने की बंद मशीनें दिखाते दुकानदार। *फोटो: हरिभूमि*

हाथों की मेहनत पीछे छूट गई

समय बदल गया है, सुविधाएं बढ़ गई हैं, लेकिन दिल के किसी कोने में आज भी वह पुराना दौर जिंदा है, जब सर्दी आने से पहले ही रजाई की तैयारी शुरू हो जाया करती थी और हर ठंडी रात में रिश्तों की गर्माहट महसूस होती थी। अब रेडीमेड कंबलों और मशीनों की दुनिया में हाथों की मेहनत पीछे छूट गई है। इस धंधे से जुड़े दुकानदार आशिन खान, संजय खान, गुड्डी देवी नें बताया कि तो आसपास के क्षेत्र में नरमे कपास की फसल कम होने के कारण दुकानदारी पर फर्क पड़ा है वही रेडीमेड वस्त्रो ने भी हमारी रोजी रोटी छीनने का काम किया है। इस धंधे से जुड़े लोग धीरे-धीरे भुखमरी के कगार पर आने की स्थिति में हो गए हैं उनका धंधा चौपट होकर रह गया है।

श्री चैतन्य टैक्नो स्कूल के छात्रों ने राष्ट्रीय मार्शल आर्ट स्पर्धा में मारी बाजी

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

सिरसा के श्री चैतन्य टैक्नो स्कूल के छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित मार्शल आर्ट प्रतियोगिता में शानदार सफलता प्राप्त की है। दिल्ली के तालकटोरा इंडोर स्टेडियम में आयोजित इस प्रतियोगिता में देशभर से खिलाडिय़ों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में विद्यालय के विभिन्न आयु वर्ग के 20 प्रतिभागियों ने मार्शल आर्ट कोच राजकुमार वर्मा के नेतृत्व में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुल 23 पदक हासिल किए। इनमें 9 स्वर्ण, 6 रजत और 8 कांस्य पदक शामिल हैं। खिलाडिय़ों की इस शानदार उपलब्धि पर विद्यालय प्रधानाचार्या जीना धुरिया ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं न केवल खिलाड़ियों के आत्मविश्वास को बढ़ाती हैं, बल्कि अनुशासन और खेल भावना को भी मजबूत करती हैं।

सिरसा। प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए प्राचार्या।

हारना तब आवश्यक हो जाता है, जब लड़ाई अपनों से हो, और जीतना तब आवश्यक हो जाता है, जब लड़ाई अपने आप से हो।

-हरिवंश राय बच्चन

समय अपनी गति से चलता रहा और वंदना अपने काम की दुनिया में मस्त हो गई। उसकी मेहनत को देखते हुए कंपनी ने उसे सीनियर मैनेजर की पोस्ट पर नियुक्त कर दिया और तब उसकी जिंदगी में एक नया मोड़ आया। कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर यानि मालिक घोष के बेटे मिलिंद की नजर वंदना पर पड़ी और वह उसकी सूरत और सीरत का कायल हो गया, यानि उसे वंदना से प्रेम हो गया।

कहानी

आशमा कौल

ढाल

खिड़की पर खड़ी वंदना को पता ही नहीं चला कि मीठी हवा ने अचानक आंधी का रूप कब ले लिया और किरकिरी उसकी आँखों में समा गई। उसने तुरंत खिड़की बंद की और बेसिन पर अपनी दुखती आँखों में पानी के छींटें मारने लगी। शीशे में देखा तो दोनों आँखें लाल थी, वैसे भी उसे इसकी आदत हो चुकी थी। मन का हर गुबार वह बाथरूम में ही आकर निकालती थी। वंदना का ब्याह हुए दो वर्ष हो चुके हैं। बचपन में वंदना, घर भर की दुलारी और लाड़ली बेटी बहुत नाजों में पली थी, माँ-पिताजी कॉलेज में अधिवक्ता थे तो वंदना भी पढ़ने में होशियार रही।

'वंदू रानी, वंदू रानी कहाँ चली'- कहते हुए माँ वंदना को बाहों में भर लेती और वंदना खिलखिलाते हुए अपनी सहेलियों के साथ खेलने की जिद करती। चुलबुली वंदना अपनी सहेलियों की भी चहेती थी। मुस्कराती और खिलखिलाती वंदना सभी का दिल पल भर में मोह लेती थी। स्कूल पूरा हुआ तो वंदना ने इंजीनियरिंग में दाखिला लिया और चार साल की पूरी मेहनत के बाद एक मल्टीनेशनल कंपनी में कार्यरत हो गई। वंदना के पास उड़ने के लिए अब पूरा आसमान था और वंदना के पंखों में भी बहुत हौंसला था। वह हर दिन जोश से अपने टारगेट पूरे करती तो सबका सम्मान भी पाती। अपनी कंपनी से बेस्ट इंजीनियर का खिताब भी वह कई बार पा चुकी थी। दिन भर की व्यस्तता के बाद जब वंदना और उसके मम्मी-पापा शाम को मिलते तो वह अपनी बिटिया की उपलब्धियां देख सुनकर गर्व से फूले न समाते। डिनर टेबल पर पापा और बेटी के बीच दिन भर की चर्चा चलती। उस दिन भी गपशप चल रही थी जब माँ ने कहा 'वंदना अब मैं तुम्हारा ब्याह करना चाहती हूँ, कोई लड़का तुम्हारी नजर में है तो मुझे बिना झिझके बता दोश'। माँ की बात सुन वंदना अचानक सकते में आ गई – 'माँ आज अचानक आपको मेरे ब्याह का ख्याल कैसे आ गया'।

'जब बेटी बड़ी हो जाती है तब माँ की नींद गायब हो जाती है, तुम नहीं समझोगी'

'पापा देखो, आप ही समझाओ माँ को कि अभी इतनी जल्दी न करे, अभी तो मेरा कैरियर शुरू हुआ है'

'बेटा तुम सही कह रही हो लेकिन माँ भी अपनी जगह सही है। हर चीज़ समय पर अच्छी लगती है और अभी तो हमारी सुंदर गुणवान बेटी के लिए लड़का ढूँढने में भी समय लगेगा, देखो शादी के बाद भी तुम अपनी लग्न से बुलंदियाँ छू सकती हो' – पापा ने कहा तो माँ ने तुरंत तसल्ली देते हुए कहा– " मैंने भी तो शादी के बाद अपनी नौकरी जारी रखी और आज भी पढ़ा रही हूँ, तुम भी आगे अपना पैशन फॉलो करना, चलो अब आराम करो कल फिर सुबह निकलना है'।

मम्मी-पापा को शुभ रात्रि कह कर वंदना अपने कमरे में आकर अपने भविष्य के सुंदर सपने बुनती हुई नींद के आगोश में चली गयी।

समय अपनी गति से चलता रहा और वंदना अपने काम की दुनिया में मस्त हो गई। उसकी मेहनत को देखते हुए कंपनी ने उसे सीनियर मैनेजर की पोस्ट पर नियुक्त कर दिया और तब उसकी जिंदगी में एक नया मोड़ आया। कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर यानि मालिक घोष के बेटे मिलिंद की नजर वंदना पर पड़ी और वह उसकी सूरत और सीरत का कायल हो गया, यानि उसे वंदना से प्रेम हो गया। वह किसी न किसी बहाने वंदना को अपने कैबिन में बुलाता और उसकी तारीफ करता लेकिन वंदना तो अपने काम की बात करना ही पसंद करती लेकिन बड़े बाप के जिद्दी बेटे ने यह तय कर लिया था कि अगर वह ब्याह करेगा तो वंदना से ही करेगा।

मिलिंद ने अपने पापा से इस बारे में बात की तो घोष साहब खुश हो गए क्योंकि उन्हे वंदना हर तरह से बहुत पसंद थी। घोष साहब ने वंदना को बुला कर उससे भी सलाह ली तो उसने शर्माते हुए अपने पापा, अनिल शर्मा का नंबर दे दिया। अगले ही दिन घोष साहब और मिलिंद वंदना के घर में आमंत्रित थे।

'आईए आईए घोष साहब आपका स्वागत है हमारे गरीबखाने में' – शर्मा जी ने मेहमानों का बाहें खोल कर स्वागत किया और अपनी पत्नी को आवाज लगाई। घोष साहब और मिलिंद ड्रॉइंग रूम में बैठे ही थे कि वंदना भी पानी लेकर कमरे में आ गयी।

'बेटा इधर आओ और मेरे पास बैठो' - घोष साहब ने लाड़ से वंदना को अपने पास बिठाया और बोले 'प्रोफेसर साहब बहुत प्यारी और मेहनती बिटिया है आपकी, अगर आपको मंजूर हो तो मैं इसे अपनी बिटिया बनाना चाहता हूँ'।

'क्यों नहीं, यह तो आपकी बहुत तारीफ करती है कि आपने इसका करियर बनाने में बहुत मदद की है, अगर दोनों बच्चों को मंजूर है तो मुझे इस रिश्ते में कोई आपति नहीं'।

'बहुत बढ़िया बात कही आपने, मिलिंद बेटा आप और वंदना बिटिया अंदर कमरे में जाकर बातचीत कर लो और अपनी सहमति बताओ ताकि हम लोग भी निश्चिंत होकर विवाह की तारीख निश्चित कर सकें'– घोष साहब ने दोनों बच्चों को देखते हुए अपनी बात रखी।

'हाँ-हाँ वंदना, मिलिंद को अपना कमरा दिखाओ और आराम से बैठकर बातचीत करो' – वंदना की माँ ने घोष साहब को चाय का प्याला थमाते हुए कहा तो वंदना मिलिंद को अपना कमरा दिखाने के लिए उठ खड़ी हुई।

इधर घोष साहब, शर्मा जी से गुफ्तगू में लग गए और उधर उनकी पत्नी डिनर की तैयारी में लग गई। वंदना का सुसज्जित कमरा देखकर मिलिंद बहुत प्रभावित हुआ और तारीफ़ के पुल बांधने लगा- 'अरे वाह, वंदना बहुत सुंदर सजा रखा है तुमने अपना कमरा, मैं तो पूरी तरह से तुम्हारा दीवाना हो गया हूँ, लगता है तुम्हें खाना बनाने में भी निपुणता हासिल होगी, अरे मैं ही बोले जा रहा हूँ, तुम भी तो कुछ बोलो'।

'मिलिंद पहले बैठ तो जाओ फिर बताती हूँ कि कमरा तो मैं सजा कर रखती हूँ, लेकिन खाना बनाने का समय कहाँ मिलता है मुझे। वह तो मैं माँ की थोड़ी बहुत मदद करा देती हूँ और काम वाली बाई भी तो आती है। मिलिंद तुम्हे खाना बनाना आता है क्या'– वंदना ने पूछा तो मिलिंद कुछ भावुक हो गया।

'वंदना जब मैं दो साल का था तभी मेरी माँ मुझे छोड़ कर चली गई, तब से मुझे पापा और दादी ने पाला, फिर दादी भी साथ छोड़ गई और अब मेरी दुनिया में सिर्फ पापा हैं, वैसे तो बाहर मित्रों और घर में नौकरों की कमी नहीं है लेकिन फिर भी माँ की कमी खटकती है और मुझे यकीन है कि उस कमी को तुम ही पूरा कर सकती हो वंदना'।

मिलिंद की बातें सुन कर वंदना भी भावुक हो कर बोली – 'मिलिंद अगर हमारी शादी होती है तो मैं तुम्हारी आकांक्षाओं पर खरी उतरने की पूरी कोशिश करूंगी, लेकिन मिलिंद ताली कभी एक हाथ से नहीं बजती, इसमें तुम्हें भी मेरी पूरी मदद करनी होगी। मिलिंद मैं शादी के बाद भी काम करूंगी और कम्पनी को और भी ऊंचाइयों पर ला कर दिखाऊँगी।

'हाँ वंदना, मैं अपने कहे से कभी पीछे नहीं हटूँगा, तुम बस शादी के लिए हाँ कर दो'।

हँसते हुए मिलिंद और वंदना बाहर बैठक में आए तो सबने ताली बजा कर उनका स्वागत किया। दोनों तरफ से हाँ हो चुकी थी, अब केवल औपचारिक बातें हो रही थी। डिनर की मेज़ सज गई थी, सबने एक साथ बैठकर खाना खाया और फिर खुशी में मुंह मीठा किया।

अगले कुछ दिनों में वंदना के मम्मी-पापा ने पंडित जी से मिलकर शादी की तारीख तय कर ली। वंदना की माँ बहुत खुश थी कि उसकी पुत्री को सुयोग्य वर और अच्छा घर मिल गया लेकिन उसकी चिंता यह थी कि लड़के की माँ नहीं है और वंदना पर घर का पूरा दबाव आ जाएगा, लेकिन पति और बिटिया के समझाने पर वह निश्चिंत हो गई। वंदना बहुत समझदार लड़की थी और विवाह के बाद उसने अपने घर को बहुत अच्छे से संभाल लिया। सुबह जल्दी उठ कर काम वाली की मदद से वह नाश्ता और लंच तैयार करती और फिर पति और ससुर के साथ कंपनी का काम भी कुशलता से संभालती। सब उसकी तारीफ करते नहीं थकते। उसकी काबलियत देख कर घोष साहब जरूरी मामलों में बेटे से ज्यादा बहू पर विश्वास करते और हर मामले में उसकी राय लेते जो मिलिंद को पसंद नहीं आता।

मिलिंद वंदना को नीचा करने का कोई न कोई बहाना ढूँढता जो वंदना को समझ आने लगा था लेकिन वह चुप रहती ताकि उनके दांपत्य जीवन में दरार न आए। उसे बात-बात पर रुलवाना मिलिंद की आदत में शुमार हो गया था।

'मैंने एक लड़की से शादी की थी जो मेरा घर संभाल सके, कंपनी संभालने के लिए मैं हूँ'– मिलिंद वंदना को बात-बात में ताना मारता तो वंदना भी कह पड़ती – 'मिलिंद मैंने भी उतनी ही पढ़ाई की है जितनी तुमने, मैं भी अपनी जिंदगी जीना चाहती हूँ। शादी से पहले तुमने वादा किया था कि हम हर काम मिलकर करेंगे लेकिन दो साल में ही तुम बदल गए हो'।

बात-बात पर प्रताड़ित होती वंदना अपने दिल का गुबार आंसुओं में निकाल लेती लेकिन उस दिन तो मिलिंद ने हद ही पार कर दी, गंगा जैसी निर्मल वंदना पर गलत आक्षेप लगाकर। वंदना और मनोज एक ही प्रोजेक्ट पर काम कर रहे थे और उस मामले में मनोज को वंदना के कैबिन में कई बार जाना पड़ता था जो मिलिंद को बिल्कुल पसंद नहीं था। घोष साहब के कानों में जब यह बात पड़ी तो उन्होंने मिलिंद को बहुत समझाने की कोशिश की लेकिन उसकी बुद्धि को भ्रष्ट करने में उसके कुछ बिगड़ैल दोस्तों का हाथ था। अब तो समझने की जगह वह वंदना को और प्रताड़ित करने लगा और एक दिन मनोज को उसके कैबिन में जाते देख उसने हंगामा शुरू कर दिया।

'साले, बाहर निकल, मेरी बीवी के साथ गुलछर्रे उड़ाता है'।

'मिलिंद क्या कह रहे हो, होश में तो हो तुम'

'बकवास बंद कर' - मिलिंद वंदना का हाथ मरोड़ते हुए चिल्लाया- 'हाँ, होशोहवास में कह रहा हूँ, तुम कोई सती सावित्री नहीं, बदचलन हो, पहले मुझे अपने झाल में फंसाया और अब इसको फंसा रही हो'। यह सुनते ही वंदना को लगा जिसे किसी ने उस पर खौलता पानी डाल दिया हो और वह पूरी तरह झुलस गयी हो। कभी-कभी शारीरिक प्रताड़ना से बड़ी मानसिक प्रताड़ना होती है। सात फेरों के बाद अगर किसी औरत पर उसका पति इतना गलत और गिरा हुआ आक्षेप लगाए तो उसको क्या करना चाहिए। सबका कहना है कि उसको सब्र रखना चाहिए लेकिन वंदना पढ़ी-लिखी एक इज्जतदार घर की लड़की है और वह किसी भी तरह के गलत आक्षेप को स्वीकार नहीं कर सकती।

वंदना अपना सामान लेकर मायके आ गई है। खिड़की पर खड़ी वंदना के मन में उथल-पुथल चल रही है कि वह क्या करे। बाहर ठंडी हवा ने आंधी का रूप ले लिया है और वंदना ने एक अहम फैसला ले लिया है कि वह इस अंदर और बाहर की आंधी को अपने जीवन में घुसने नहीं देगी। उसने खिड़की को बंद कर दिया है और वॉश बेसिन पर आँखों को धो लिया है। अब उसे सब कुछ साफ दिख रहा है, उसने मन ही मन कुछ निश्चय किया है और उसके मम्मी-पापा उसके फैसले में उसके साथ उसकी ढाल बनकर खड़े हैं। बाहर आंधी थम चुकी है। वंदना ने खिड़की खोल दी है और शीतल बयार उसके तन और मन को सहला रही है।

लघु कथा | डॉ. अंजना गर्ग

घर जाग रहे, चोर भाग रहे

कल रात घुमंतु गली में घूम रहा था।
देखा—दो चोर बिजली के खंभे के नीचे उदास बैठे हैं,
जैसे सरकार ने चोरी पर भी जीएसटी लगा दिया हो।
घुमंतु ने पूछा,"क्यों रे भाइयो, आज धंधे पर नहीं गए?"
पहला चोर बोला,"घुमन्तू जी, धंधा ही चौपट हो गया, कहांजाएँ ?
क्यों, क्या हुआ ?ह घुमंतु ने प्रश्न दागा।
रात तीन बजे तक बच्चे मोबाइल के साथ जागते-जागते चौकीदार बन गए हैं।
सुबह चार बजे बुजुर्ग उठकरभगवान को लाइव कॉल लगा देते हैं!
दूसरा चोर आह भरते हुए बोला,"हम चोर हैं,
24 घंटे जागरण नहीं कर सकते!
इन घरों में तो नींद का भी प्रवेश-निषेध है,
चोरी तो दूर की बात है।"
घुमंतु हँस पड़ा—"लगता है भाइयो,
देश से नींद भी भ्रष्टाचार से डर कर भाग गई है।

कविता | भूपसिंह भारती

मां फुले का वंदन

मां फुले का वंदन, मां फुले का वंदन। हाथ जोड़कर नमन करें, नन्हें मुन्ने नंदन।।

सदियों से बंद रहा, शिक्षा का दरवाजा, उसे खोल कहा फुले ने, पढ़ने अंदर आजा,
ना ऊंच नीच कोई, ना कोई है बंधन। मां फुले का वंदन, मां फुले का वंदन।।

पत्थर गोबर फेंका, जब चली पढ़ाने मां, ना रुकी क्रांति ज्योति, लगी कदम बढ़ाने मां,
फुले की कुर्बानी, कर गई सब को धन धन। मां फुले का वंदन, मां फुले का वंदन।।

सब पाखंडों को मिटाकर, हर घर में ज्ञान फैलाया, ना अनपढ़ रहे कोई, शिक्षा का दीप जलाया,
मां लगा महकने अब, तेरी मेहनत का चंदन। मां फुले का वंदन, मां फुले का वंदन।।

सत पथ पर चलकर के, फुले का मान करो, बनो एक नेक सारे, सुरक्षित संविधान करो,
कहे 'भारती' जीवन में, ना रहे कोई क्रंदन। मां फुले का वंदन, मां फुले का वंदन।

कविता | सपना

अनकही बातें

कितनी अन्कही बाते हैं जो हम कह नहीं पाते ।
चाह कर भी किसी को बता नहीं पाते ।।

जानते हैं कि कोई ख़ुश न होगा हमारी ख़ुशी में ।
जानते हैं कि कोई दुखी न होगा हमारे दुख में ।।

क्यों भाईचारा नहीं रहा परिवारो में ?
क्यों एहसास नहीं रहा रिश्तों में ??
किस मुकाम पर आ कर खड़े हैं सब ।
जहाँ न सच बोलने वाले हैं न सुनने वाले ।।

जहाँ न सही का साथ देने वाले हैं ।
न वालत का विद्रोह करने वाले हैं ।।
न जाने क्यों टूट गई है हिम्मत ।
न जाने क्यों बिखर गए हैं ख़्वाब ।।

बस एक ज़िम्मेदारी सा लगता है जीवन ।
अनकहा अनसुना अनछुआ ...।।

कथाकार रत्नकुमार सांभरिया की लेखनी से शोषित-वंचित वर्ग के बहुआयामी शोषण, दमन, उत्पीड़न, अत्याचार आदि के मुंह बोलते शब्दचित्र जीवंत होकर कथा-कहानी व नाटकों में ढले हैं। यही कारण है कि हर पाठक को इस जमीनी लेखक के पात्रों की पीर भोगा, देखा व सुना यथार्थ प्रतीत होता है। नई पीढ़ी के नाम संदेश में वे कहते हैं कि ज्यादा से ज्यादा स्वाध्याय करें तथा छपने की जल्दबाजी नहीं करें। बड़ों से मार्गदर्शन लेते रहें और मौलिक सृजनता पर ज्यादा ध्यान दें।

साक्षात्कार | सत्यवीर नाहड़िया

शोषितों के स्वाभिमान को शब्द देना लेखकीय दायित्व : सांभरिया

साहित्य समाज का दर्पण ही नहीं होता, समाज का दिशाबोधक भी होता है, इसलिए लेखकीय दायित्व स्वाभाविक तौर पर बढ़ जाता है। सामाजिक विसंगतियों तथा विद्रूपताओं को उजागर करते हुए इनका समाधान भी सुझाना हमारा दायित्व है। शोषितों तथा वंचितों के न्याय युद्ध में शामिल होकर उनके स्वाभिमान को रेखांकित करना हर रचनाकार का दायित्व है। यह मानना है कथा साहित्य के क्षेत्र में देश के जाने-माने कथाकार-समालोचक का, जिन्होंने पिछले कई दशकों में निरंतर कथा-साहित्य को नए प्रयोगों के साथ समृद्ध किया है। यही कारण है कि कथा साहित्य के मूल तत्त्वों को अपनी मौलिक प्रयोगधर्मिता तथा अनवरत सृजनशीलता की अनूठी साधना से नयी ऊंचाइयां प्रदान करने वाले देश के चुनींदा रचनाकारों में रेवाड़ी के कथाकार रत्नकुमार सांभरिया का नाम बड़े आदर व सम्मान से लिया जाता है।

हरियाणा साहित्य गौरव सम्मान से अलंकृत इस रचनाकार ने अपनी जन्मभूमि गांव भाड़ावास (रेवाड़ी) को राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी लेखनी से गौरवान्वित कराया है। भाड़ावास के इस लाल के जयपुर स्थित आवास पर लिखा 'भाड़ावास हाउस' इनका अपनी जड़ों के प्रति जुड़ाव एवं लगाव के कृतज्ञभाव का प्रदर्शित करता है। देशभर के विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों में जहां उनकी रचनाएं शामिल कर पढ़ाई जा रही हैं, वहीं कहानी, लघुकथा, एकांकी, नाटक, आलोचना, अनुवाद आदि उनकी बहुआयामी सृजनधर्मिता पर तीन दर्जन से ज्यादा विद्यार्थी एमफिल व पीएचडी कर शोध कर चुके हैं। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, राजस्थान से बतौर उपनिदेशक (प्रशासन) सेवानिवृत्त होकर अब पूर्ण रूप से साहित्य सृजन में साधनारत हैं। 6 जनवरी, 1956 को रेवाड़ी जिले के ऐतिहासिक गांव भाड़ावास में माता जुगरी देवी तथा पिता सिंहराम के घर जन्मे बालक रत्नकुमार ने आठवीं कथा तक पढ़ाई गांव से, फिर शेष रेवाड़ी के अहीर स्कूल, अहीर कॉलेज, एसपी कॉलेज आदि से पूरी कर राजस्थान में प्राथमिक शिक्षक के तौर पर आदिवासी बच्चों को पढ़ाते हुए अपनी व उनके बचपन की गरीबी पर कहानी लिखकर लेखन की शुरूआत की। विपुल कथा साहित्य के रचयिता सांभरिया ने कहानी एवं लघुकथा के क्षेत्र में देशभर में खास मौलिक पहचान बनाकर हरियाणा, रेवाड़ी तथा भाड़ावास का मान बढ़ाया है। उनकी कहानी 'मैं जीती' पर जहां राजस्थान सरकार का समाज कल्याण विभाग टेलीफिल्म का निर्माण कर चुका है, वहीं उनकी अन्य अनेक कहानियों एवं लघुकथाओं पर रेडियो नाट्य रूपांतर प्रसारित हो चुके हैं। उनकी रचनाधर्मिता का विभिन्न भाषाओं में अनुवाद उनकी सृजनशीलता के विस्तृत फलक तथा गुणात्मकसृजन का प्रमाण है। डॉ. अंबेडकर एक जीवन का जहां अरबी एवं सिंधी में अनुवाद हो चुका है, वहीं मियांजान की कुकड़ी नामक पंद्रह कहानियों का अरबी-सिंधी में अनुदान हुआ है। नाटक-एकांकी के प्रखर हस्ताक्षर श्री सांभरिया की रचनाओं को देशभर के विश्वविद्यालयों ने अपने पाठ्यक्रमों में शामिल किया है। सरल व सहज व्यक्तित्व के धनी सांभरिया के अपने बचपन की गरीबी के दिन, टपकती छान, नंगे पैर स्कूल जाना, निरंतर आर्थिकी विषमताओं से जूझना, खेतिहर मजदूर पिता का संघर्ष आज भी याद है। यही कारण है कि उनकी कहानियों, नाटकों, लघुकथाओं के पात्र संघर्ष में घुटने नहीं टेकते,प्लायन भी नहीं करते अपितु जमकर-डटकर संघर्ष करते हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

कथा साहित्य के अनूठे साधक कथाकार रत्नकुमार सांभरिया की लिखी कई पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। इनमें हुकम की दुग्गी, काल तथा अन्य कहानियाँ, खेत तथा अन्य कहानियाँ, दलित समाज की कहानियाँ, एयरगन का घोड़ा , बांग तथा अन्य कहानियाँ, प्रतिनिधि लघुकथा शतक, मुंशी प्रेमचंद और दलित साहित्य, उपन्यास साँप व नटनी, डॉ. अंबेडकर : एक प्रेरक जीवन, नाटक-वीमा, उजास, भभूल्ला आदि नाम शामिल हैं।

रत्नकुमार सांभरिया

पुरस्कार व सम्मान

नवज्योति कथा सम्मान (1998), राष्ट्रीय सहारा कथा पुरस्कार (2005), कथादेश अखिल भारतीय हिंदी साहित्य सम्मान (2007), राजस्थान पत्रिका सृजनात्मक पुरस्कार (2018), हरियाणा साहित्य अकादमी हरियाणा गौरव सम्मान (2014), सुब्रमण्यम भारती सम्मान, केंद्र सरकार (2017) राजस्थान साहित्य अकादमी मीरा सम्मान (2023), बाबू बालमुकुंद गुप्त पत्रकारिता एवं साहित्य संरक्षण सम्मान, रेवाड़ी (2025) आदि शामिल हैं।

एक-दूसरे के पूरक हैं साहित्य और स्वाध्याय

विमर्श | डॉ. चंद्र त्रिखा

हरियाणा की पावन धरती भारतीय साहित्य के इतिहास में एक अद्वितीय स्थान रखती है, जिसे वेदों की जन्मस्थली होने का गौरव प्राप्त है। महर्षि वेदव्यास द्वारा 'महाभारत' की रचना भी इसी माटी पर हुई, जिसने न केवल भारत अपितु संपूर्ण विश्व को जीवन दर्शन का पाठ पढ़ाया। मध्यकाल में संत साहित्य की अविरल धारा यहाँ प्रवाहित हुई, जिसमें बाबा फरीद की सूफी वाणी और संत निश्चल दास के दार्शनिक चिंतन ने समाज को वैचारिक स्पष्टता प्रदान की। हरियाणा का साहित्य केवल पन्नों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यहाँ की लोक विधा 'सांग' और रागिनियों के माध्यम से यह सामान्य जनमानस के कंठहार का हिस्सा बना। पंडित लखमीचंद जैसे कवियों ने लोक-साहित्य को जो ऊँचाई दी, उसने हरियाणा की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक पटल पर मजबूती से स्थापित किया। समकालीन परिदृश्य में हरियाणा का साहित्य बहुआयामी और प्रगतिशील है। खड़ी बोली के विकास में बालमुकुंद गुप्त जैसे दिग्गजों का योगदान अविस्मरणीय है, जिन्होंने अपनी लेखनी से राष्ट्रीय चेतना को जगाया। वर्तमान समय में हरियाणा के रचनाकार कविता, कहानी और उपन्यास के माध्यम से सामाजिक विसंगतियों, नारी विमर्श और किसान जीवन की चुनौतियों को मुखरता से अभिव्यक्त कर रहे हैं। राज्य की हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी और अनेक साहित्यिक संस्थाएं इस दिशा में अपने प्रयास कर रही है, जिससे नए लेखकों को मंच और प्रोत्साहन मिल रहा है। प्रत्येक वर्ष 500 से 600 साहित्यिक पुस्तकें प्रकाशित हो रही हैं। लेकिन एक विडंबना अब हमारे सामने आ रही है कि मुख्यधारा के विमर्श में हरियाणा में साहित्य के नाम पर कविताएँ ही अधिकाँश रूप से लिखी जा रही हैं और उसमें भी लघु कविता का बोलबाला है। जबकि गद्य में लघुकथा रचना का प्रभाव बढ़ रहा है। ऐसे में उपन्यास, कहानी, आलेख और काव्य खंड की स्थिति विचारणीय हो गई है। वर्तमान में साहित्य निहित गंभीर दार्शनिकता और मानवीय संवेदनाएं दुर्लभ सी हो रही हैं। आप ध्यानपूर्वक देखेंगे तो पायेंगे कि आज की युवा पीढ़ी में हमारे पास केवल कुछ चुनींदा लेखक ही हैं। जहां पूरी दुनिया के विभिन्न क्षेत्र युवा हाथों में सुरक्षित दिखाई देते हैं वहीं साहित्य की जिम्मेदारी का भार अभी भी वरिष्ठ साहित्यकारों के कन्धों पर होना चिंतनीय है। आज साहित्यकार जो लिख रहे हैं, वह भी अपेक्षित अध्ययन के बाद नहीं लिखा जा रहा है। साहित्य की इस समृद्ध विरासत को अक्षुण्ण रखने और इसे नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने के लिए 'स्वाध्याय' की आवश्यकता आज पहले से कहीं अधिक अनिवार्य हो गई है। स्वाध्याय ही वह प्रक्रिया है जो किसी भी समाज की बौद्धिक उर्वरता को जीवित रखती है। आज के डिजिटल युग में, जहाँ सूचनाओं का अंबार तो है किंतु ज्ञान की गहराई कम होती जा रही है, वहाँ पठन-पाठन की संस्कृति का ह्रास होना चिंताजनक है। स्वाध्याय केवल सूचना जुटाने का साधन नहीं है, बल्कि यह वह माध्यम है जिसके द्वारा युवा पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ पाती है। जब तक हम अपने पुरखों द्वारा रचे गए महान ग्रंथों और समकालीन रचनाओं का गहरा अध्ययन नहीं करेंगे, तब तक हम अपनी भाषा और संस्कृति की रक्षा करने में सक्षम नहीं हो पाएंगे। साहित्यिक स्वाध्याय व्यक्ति की आलोचनात्मक सोच को विकसित करता है, जिससे वह समाज में व्याप्त भ्रांतियों और सतही विमर्शों के बीच सत्य को पहचानने की दृष्टि प्राप्त करता है। स्वाध्याय की कमी के कारण ही आज स्तरीय साहित्य की जगह सतही सामग्री ले रही है। अतः, यह आवश्यक है कि हम पुस्तकों के साथ अपना नाता फिर से जोड़ें और पुस्तकालयों को अपने जीवन का अनिवार्य हिस्सा बनाएं। साहित्य और स्वाध्याय एक-दूसरे के पूरक हैं। हरियाणा की साहित्यिक स्थिति को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए पठन की एक नई लहर की आवश्यकता है। स्वाध्याय से परिष्कृत समाज ही अपनी भाषा को मान दिला सकता है और साहित्य के माध्यम से राष्ट्र के निर्माण में अपना श्रेष्ठ योगदान दे सकता है।

स्वाध्याय ही वह प्रक्रिया है जो किसी भी समाज की बौद्धिक उर्वरता को जीवित रखती है। आज के डिजिटल युग में, जहाँ सूचनाओं का अंबार तो है किंतु ज्ञान की गहराई कम होती जा रही है, वहाँ पठन-पाठन की संस्कृति का ह्रास होना चिंताजनक है। स्वाध्याय केवल सूचना जुटाने का साधन नहीं है, बल्कि यह वह माध्यम है जिसके द्वारा युवा पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ पाती है।

खबर संक्षेप

विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को दी जानकारियां

सिरसा। राजकीय महिला महाविद्यालय सिरसा में स्थापित इग्नू अध्ययन केंद्र में सत्र जुलाई 2024 में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन मीट हुई। मीट में विद्यार्थियों को प्रवेश प्रक्रिया, असाइनमेंटस व अन्य गतिविधियों संबंधी जानकारी प्रदान की गई। केंद्र के समन्वयक डॉ. विक्रमजीत सिंह ने शुरुआत में विद्यार्थियों को केंद्र में चल रहे प्रोग्राम व विद्यार्थियों को दाखिले से संबंधित जानकारी दी। केंद्र के सहायक समन्वयक डॉ. सतपाल ने विद्यार्थियों को इग्नू द्वारा प्रदान की जाने वाली शैक्षणिक सुविधाओं, पाठ्यक्रम संरचना, अध्ययन प्रक्रिया और मूल्यांकन पद्धतियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। साथ ही उन्होंने अध्ययन केंद्र की भूमिका, शिक्षकों द्वारा सहायता और अन्य सेवाओं के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रो. सत्यापाल ने बताया कि अध्ययन केंद्र में विभिन्न जिलों व राज्यों से भी विद्यार्थियों ने दाखिला लिया है।

एज्यू कनक्लेव कार्यक्रम में पहुंचे शिक्षाविद्

ओढां। माता हरकी देवी शिक्षण संस्थान ओढ़ा में रविवार को एमएचडी शिक्षण संस्थान व प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन सिरसा के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय स्तर का एज्यू कनक्लेव कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम में देशभर के विभिन्न शिक्षण संस्थानों से करीब 700 प्रिंसिपल, निदेशक व स्कूल संचालक पहुंचे। कार्यक्रम में निशा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ कुलभूषण शर्मा ने मुख्य रूप से शिरकत की। माता हरकी देवी शिक्षण संस्थान की मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. कुलदीप कौर आनंद व अमित चंद्रा सीईओ ने ग्रुप डिस्कशन में चिंतन किया कि नई शिक्षा नीति को प्रभावी ढंग से लागू किया तो यह भारत की शिक्षा व्यवस्था में ऐतिहासिक परिवर्तन ला सकती है। निशा के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलभूषण ने ग्रुप डिस्कशन में गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा नीति विद्यार्थियों का समग्र विकास करना और रोजगार पूर्ण जीवन कौशल का विकास करना बताया। उन्होंने कहा कि केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं बल्कि छात्रों को आत्मनिर्भर एवं विचारशील बनाना है।

मुख्य वक्ताओं ने कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार किया

भाजपा जिला कार्यकारिणी की बैठक में संगठन की मजबूती पर किया मंथन

सरकार की योजनाओं की सफलता पर डाला प्रकाश

- भाजपा कार्यकर्ता पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध : जोड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭| फतेहाबाद

भाजपा फतेहाबाद की जिला कार्यकारिणी की अहम एवं भव्य बैठक आज भूना के उकलाना रोड स्थित प्रीति पैलेस में सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य वक्ता के रूप में प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने शिरकत की। बैठक की अध्यक्षता भाजपा के जिलाध्यक्ष एडवोकेट प्रवीण जोड़ा ने की। बैठक में विशेष रूप से राजसभा संसद सुभाष बराला, पूर्व कैबिनेट मंत्री देवेन्द्र बबली, पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, जिला प्रभारी सुरेंद्र आर्य, पूर्व विधायक दुड़ाराम, चेयरमैन भारत भूषण मिढ़ा, राजपाल बैनीवाल, पूर्व प्रधान स. बलदेव ग्रोहा, जिला परिषद की चेयरपर्सन सुमन खिचड़ मंच पर मौजूद रहें। कार्यक्रम में पहुंचने पर सभी दिग्गज नेताओं का फूल मालाओं से तथा तिलक वंदन कर भव्य स्वागत किया गया। इसके उपरांत दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन भाजपा के जिला महामंत्री अशोक जाखड़ व विकास ललौदा ने किया। बैठक सुबह 9 बजे से लेकर शाम 5 बजे तक चली, जिसमें विभिन्न सत्र आयोजित हुए जिसमें विभिन्न सत्र के दौरान जिला की रिपोर्ट पर समीक्षा की गई।

एसआईआर पर गृहमंत्री अमित शाह की विडियोग्राफी प्रस्तुत की गई। प्रदेश सरकार की योजनाओं पर प्रकाश डाला गया। अटल स्मृति वर्ष कार्यक्रम को लेकर चर्चा की गई। राजनैतिक प्रस्ताव सभी कार्यकर्ताओं के समक्ष रखे गए। कार्यकर्ताओं संवाद भी किया गया।

फतेहाबाद। जिला कार्यकारिणी की बैठक में मंचासीन भाजपा के पदाधिकारी। *फोटो : हरिभूमि*

भाजपा ने विकास के नए आयाम स्थापित किए : बराला

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि भाजपा की विचारधारा राष्ट्र प्रथम, संगठन सर्वोपरि और सेवा भाव पर आधारित है। भाजपा सरकार ने केंद्र और राज्य में विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गरीब, किसान, महिला और युवा सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी गई है। कार्यकर्ताओं की मेहनत से ही भाजपा आज विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनी है। संगठन की मजबूती ही भाजपा की पहचान है।

बैठक का उद्देश्य संगठन को मजबूत करना : जोड़ा

जिला अध्यक्ष एडवोकेट प्रवीण जोड़ा ने कहा कि फतेहाबाद जिला संगठन पूरी तरह एकजुट और सक्रिय है। जिला कार्यकारिणी बैठक का उद्देश्य संगठन को और अधिक मजबूत करना है। भाजपा कार्यकर्ता पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आने वाले समय में जिले में संगठनात्मक कार्यक्रमों को और तेज किया जाएगा।

भाजपा का इतिहास और विकास पर प्रकाश डाला गया। केन्द्र सरकार की योजनाओं के बारे में बताया गया। बूथ स्तरीय कार्यक्रम एवं बूथ सशक्तिकरण के बारे में भी भी जानकारी दी गई। आत्मनिर्भर भारत, एसआईआर आदि विषयों को भी इस सत्र में शामिल किया। दिग्गज नेताओं अपने अपने विचार सांझा किए तथा कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार किया।

पार्टी की असली ताकत उसके कार्यकर्ता : बड़ौली

बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली ने कहा कि भाजपा केवल एक राजनीतिक दल नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण का आंदोलन है। पार्टी की असली ताकत उसके कार्यकर्ता हैं, जो बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आत्मनिर्भर भारत से विकसित भारत की ओर तेजी से अग्रसर है। हरियाणा में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में जनहित की योजनाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही हैं। बड़ौली ने कहा कि संगठन की मजबूती ही चुनावी सफलता की कुंजी है। आज भाजपा का कार्यकर्ता गर्व से कह सकता है कि वह विकास, सुशासन और राष्ट्रवाद की विचारधारा से जुड़ा है। आने वाले समय में सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाएं और भाजपा को और अधिक मजबूत बनाएं।

भाजपा हर वर्ग का साथ लेकर चल रही : बबली

पूर्व कैबिनेट मंत्री देवेन्द्र बबली ने कहा कि भाजपा की सरकार ने हर वर्ग को साथ लेकर चलने का काम किया है। आत्मनिर्भर भारत की सोच ने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती दी है। हरियाणा में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में विकास कार्यों को गति मिली है। कार्यकर्ता ही भाजपा की रीढ़ हैं और उनकी बदौलत ही योजनाएं धरातल पर उतरती हैं।

महिला सशक्तिकरण को नई दिशा दी : दुग्गल

पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल ने कहा कि भाजपा ने महिला सशक्तिकरण को नई दिशा दी है। केंद्र सरकार की योजनाओं से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिला है। भाजपा की संगठनात्मक संरचना मजबूत और अनुशासित है। कार्यकर्ता सरकार की योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। विकसित भारत के संकल्प में महिलाओं की भागीदारी महत्वपूर्ण है।

गांव से लेकर शहर तक समान रूप से विकास कराया : दुड़ाराम

पूर्व विधायक दुड़ाराम ने कहा कि भाजपा की सरकार ने गांव से लेकर शहर तक समान रूप से विकास कराया है। संगठन की ताकत से ही भाजपा लगातार जनता का विश्वास जीत रही है। कार्यकर्ताओं की निष्ठा और मेहनत से ही पार्टी मजबूत होती है। सभी कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने में योगदान देना चाहिए। उक्त बैठक में भूना मंडल अध्यक्ष मनदीप योगी, वरिष्ठ भाजपा नेता गुलशन हंस, मार्केट कमेटी भूना का चेयरमैन राजबीर नेहला, वाईस चेयरमैन कैलाश बंसल, सभी जिला उपाध्यक्ष, जिला सचिव, सभी मंडल अध्यक्ष, मंडल महामंत्री, मोर्चा के प्रदेश व जिला पदाधिकारी, ग्रिवेंस कमेटी के सदस्य, सभी जनप्रतिनिधि, नगरपालिका भूना की चेयरपर्सन अर्पणा पंकज पसरीजा, सविता टुटेजा, डा. सुमन बजाज, शम्मी ढींगड़ा, कंवल चौधरी, मोलू राम रुलाहनिया लायकराम गढ़वाल, भीम लाम्बा, शुभम वाल्मिकि, इन्द्र गावड़ी, अनिल सिहाग, संजय रेवड़ी, विज्ञान सागर बाघला, विनोद जग्गा, पूनम सिंगला, जम्मू कम्बोज, विक्रम शर्मा, भारती सचदेवा, नीलम मैहता, पूजा चराईपौत्रा, बीबो इन्दौरा, रामकुमार मेहरा, मनजीत शर्मा, बलजीत सोनी, योगेश लीखा, सहित भारी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

भट्टू मंडी में श्री श्याम अखंड ज्योति पाठ आयोजित

- भक्तों ने 'जय श्री श्याम' के जयकारों के साथ पूरे मनोयोग से पाठ में सहभागिता निभाई

हरिभूमि न्यूज ⏭| भट्टूकलां

भट्टू मंडी स्थित अग्रवाल धर्मशाला में श्री श्याम कला मंडल के तत्वावधान में श्री श्याम अखंड ज्योति पाठ का श्रद्धापूर्ण आयोजन किया गया। इस धार्मिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर बाबा श्याम के चरणों में हाजिरी लगाई। श्री श्याम संकीर्तन मंडल की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत पूजा-अर्चना एवं अखंड ज्योति प्रज्वलन के साथ हुआ। पूरे आयोजन के दौरान भक्ति, श्रद्धा और आस्था का वातावरण बना रहा। अखंड ज्योति पाठ के माध्यम से खाटू श्याम जी के जीवन, उनके त्याग, बलिदान और महिमा का संपूर्ण एवं भावपूर्ण वर्णन किया गया। कथावाचकों द्वारा बाबा श्याम के चरित्र को सरल एवं प्रभावशाली शब्दों में प्रस्तुत किया गया, जिसे सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। भजनों और श्याम नाम संकीर्तन से धर्मशाला परिसर गूंज उठा। भक्तों ने 'जय श्री श्याम' के जयकारों के साथ पूरे मनोयोग से पाठ में सहभागिता निभाई। आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण की भी व्यवस्था की गई। श्री श्याम कला मंडल के सदस्यों ने बताया कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजन समाज में भक्ति, संस्कार और आपसी भाईचारे को बढ़ावा देते हैं।

भट्टूकलां। श्री श्याम अखंड ज्योति पाठ करते श्रद्धालु।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर अनूप मित्तल, विनोद बंसल, आशु गोयल, टीटू बंसल, महेश बंसल, रामानंद, सज्जन अग्रवाल, राजेश सोलंकी मांगेराम माचरा सहित अनेक भक्त जन मौजूद रहे। अंत में बाबा श्याम से सभी श्रद्धालुओं की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की गई तथा आयोजन का समापन शांति पाठ के साथ किया गया।

अनुराग साहित्य सम्मान से अलंकृत हुई साहित्यकार डॉ. शील कौशिक

हरिभूमि न्यूज ⏭| सिरसा

साहित्यिक संस्था अनुराग सेवा संस्थान के स्थापना दिवस पर राजस्थान में आयोजित समारोह में सिरसा की साहित्यकार डॉ. शील कौशिक को अनुराग साहित्य सम्मान से सम्मानित किया गया। डॉ. शील कौशिक के माया का रहस्यमयी टीला बाल उपन्यास को राष्ट्रीय अनुराग बाल साहित्य सम्मान राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े द्वारा प्राप्त हुआ। उल्लेखनीय है कि डॉ. कौशिक हिंदी साहित्य की राष्ट्रीय स्तर पर ख्यातिप्राप्त रचनाकार हैं, जिनकी विविध विधाओं यथा कहानी, लघुकथा, कविता, दोहा, उपन्यास, आलोचना तथा बालसाहित्य की कुल 66 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। उनके साहित्य पर शोधार्थियों द्वारा पांच पीएचडी तथा छह एमफिल की जा चुकी है। अपने उत्कृष्ट साहित्य की बदौलत वे हरियाणा साहित्य अकादमी से साहित्य रत्न एवं हरियाणा की श्रेष्ठ महिला रचनाकार सम्मान के अतिरिक्त देश के 16 राज्यों तथा तीन देशों की प्रतिष्ठित संस्थाओं से सम्मानित एवं पुरस्कृत हो चुकी हैं।

सिरसा। साहित्यकार डॉ. शील कौशिक को राष्ट्रीय अनुराग साहित्य सम्मान से नवाजते आयोजक। *फोटो : हरिभूमि*

रक्तदान कर पूर्व सीएम ओमप्रकाश चौटाला को दी भावभिनी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ⏭| सिरसा

पूर्व मुख्यमंत्री स्व. ओमप्रकाश चौटाला की प्रथम पुण्यतिथि पर डिंग मंडी की पुरानी अनाजमंडी में रक्तदान शिविर लगाकर श्रद्धांजलि दी गई। शिविर के आयोजक संदीप रूंडला ने बताया कि शिविर में 125 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। शिवशक्ति ब्लड बैंक की टीम रक्त संग्रहण के लिए पहुंची। इस अवसर पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि देते हुए संदीप रूंडला ने कहा कि स्व. ओमप्रकाश चौटाला केवल एक सफल राजनेता ही नहीं थे, बल्कि सदैव प्रेरणास्रोत भी रहे। उन्होंने कहा कि पूर्व सीएम स्व. ओमप्रकाश ने अपना पूरा जीवन किसान, गरीब और हरियाणा के अंतिम व्यक्ति की सेवा में समर्पित कर दिया।

सिरसा। स्व. ओपी चौटाला की पुण्यतिथि पर रक्तदान करते हुए कार्यकर्ता।

समाज के हित में रहे पूर्व सीएम के विचार

पूर्व सीएम के विचार, संघर्ष और सिद्धांत आज भी हरियाणा की राजनीति और समाज को दिशा दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्व. चौटाला द्वारा स्थापित जनसेवा, सामाजिक न्याय और शिक्षा के मूल्यों को आगे बढ़ाना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि देना होगा। स्व. ओमप्रकाश चौटाला की कमी हमेशा प्रदेशवासियों को महसूस होगी, लेकिन उनकी सीख और आदर्श सदैव जीवित रहेंगे। रूंडला ने कहा कि स्व. ओमप्रकाश चौटाला का जीवन संघर्ष, अनुशासन और जनता के प्रति निष्ठा का प्रतीक रहा है। उनके संस्कार, मूल्य और समाज के प्रति उनकी संवेदनशीलता हमें जीवनभर दिशा देती रहेगी। इस मौके पर मिलाप पचार, कृष्ण दहिया, रोमिल, नितिन, विजय, मोनू बागड़ी, सुरेंद्र खीचड़, सुरेंद्र खीचड़, शैलेंद्र गोदारा आदि गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

लिमिट बढ़ाने का झांसा देकर 98 हजार ठगे

हांसी। एक निजी कंपनी में कार्यरत एक कर्मचारी से साइबर ठगों ने क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने का झांसा देकर 98 हजार 980 रुपए ठग लिए। पीड़ित की शिकायत पर हांसी के साइबर अपराध थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

नारनौंद के वार्ड नंबर 5 निवासी ललित कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 8 सितंबर को उसके फोन पर अज्ञात नंबर से कॉल आया और कॉल करने वाले ने खुद को एक्सिस बैंक के क्रेडिट कार्ड विभाग का अधिकारी बताते हुए उसके कार्ड की लिमिट बढ़ाने का प्रस्ताव दिया। ललित कुमार ने जब इस पर सहमति जताई, तो ठग ने उसके फोन पर एक मैसेज के जरिए एक लिंक भेजा। ललित कुमार के अनुसार, जैसे ही उन्होंने उस लिंक पर क्लिक किया, उनका मोबाइल फोन हैक हो गया। और कुछ ही देर में उनके एक्सिस बैंक क्रेडिट कार्ड से 98,980 रुपए कटने का मैसेज आया।

मम्मड़खेड़ा स्कूल में गणित दिवस पर लगाई मॉडल प्रदर्शनी

बच्चों ने दिखाया कि कैसे गणित को हमारी आम जिंदगी में उपयोग में लाया जा सकता है

- प्रदर्शनी देखने आई टीम ने कार्यक्रम का अवलोकन कर प्रशंसा की

हरिभूमि न्यूज ⏭| सिरसा

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मम्मड़खेड़ा में गणित दिवस को बड़े धूमधाम से मनाया गया, जिसमें न केवल गणित बल्कि विज्ञान, बिजनेस मॉडल और हिंदी जैसे अन्य विषयों का भी समावेश किया गया। इस अवसर पर बच्चों ने दिखाया कि कैसे गणित को हमारी आम जिंदगी में उपयोग में लाया जा सकता है और किताबों में पढ़े जाने वाले मुश्किल गणित को वास्तविक जीवन में कैसे प्रयोग किया जा सकता है। इसके अलावा, किसानों से जुड़ी जमाबंदी के बारे में भी बताया गया, जिसमें जमाबंदी को पढ़ने और लिखने के तरीके को समझाया गया। यह एक बहुत ही सराहनीय कदम है, जो बच्चों को गणित के व्यवहारिक पहलुओं से जोड़ता है।

इस अवसर पर मुख्यातिथि के रूप में जिला शिक्षाधिकारी कैथल सुभाष फुटेला, सिरसा खंड शिक्षा अधिकारी कृष्ण कुमार, रानिया खंड शिक्षा अधिकारी राजकुमार थे। इसके साथ-साथ जिला गणित विशेषज्ञ डॉ. प्रियदर्शन, जिला विज्ञान विशेषज्ञ डॉ. मुकेश कुमार व डिंग डाइट व हिसार डाइट से गणित विषय की पूरी टीम मौजूद रही। प्रदर्शनी देखने आई टीम ने पूरे कार्यक्रम का अवलोकन किया और इसे काबिले तारीफ बताया। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के हर मॉडल और हर गतिविधि में वास्तविक जीवन को लाया गया है, जिससे बच्चे गणित और अन्य विषयों को बड़े आसान तरीके से समझ पाएंगे।

सिरसा। गणित प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

सराहनीय प्रयास

उन्होंने अपने शब्दों में इसे एक सराहनीय प्रयास बताया। इस मौके पर स्कूल के गणित लेक्चरर दीपक गोदारा ने कहा कि हम पिछले एक महीने से बच्चों के साथ इस कार्यक्रम की तैयारी कर रहे थे और आज उन्होंने इसे एक बड़े मंच पर बहुत अच्छे तरीके से पेश किया है। स्कूल के एसएमसी प्रधान पवन कुमार, नवीन कुमार और सनराइज एजुकेशनल ट्रस्ट के प्रधान मुकेश ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। ग्रामवासियों ने पूरे कार्यक्रम को देखा और इसकी सराहना की। उन्होंने कहा कि बच्चों की प्रतिभा और शिक्षकों की मेहनत ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया। डीईओ कैथल सुभाष फुटेला ने कहा कि आज के इस गणित दिवस के अवसर पर वे इस कार्यक्रम में देखी गई जबरदस्त गतिविधियों से अत्यंत प्रभावित हैं।

अभियान जिला पुलिस का नशा मुक्ति अभियान लगातार प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया जा रहा

नशा मुक्ति टीम ने रतिया और टोहाना में किया सर्वे, युवाओं को नशे से दूर करने का प्रयास

- 6 ड्रग पीड़ितों की पहचान कर मौके पर ही काउंसलिंग के उपरांत आयुर्वेदिक दवाइयां दी

हरिभूमि न्यूज ⏭| फतेहाबाद

जिला पुलिस द्वारा नशा मुक्ति अभियान को लगातार प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया जा रहा है। इसी क्रम में एसआई सुंदर एवं एसआई सज्जन के नेतृत्व में नशा मुक्ति टीमों ने रतिया व टोहाना क्षेत्र में जनसंपर्क, सर्वे, काउंसलिंग एवं उपचार संबंधी गतिविधियां संचालित की। एसआई सुंदर के नेतृत्व में नशा मुक्ति टीम फतेहाबाद द्वारा वार्ड नंबर 3, रतिया में गली-मोहल्लों व चौराहों पर लोगों से संवाद स्थापित कर नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान क्षेत्र में 6 ड्रग पीड़ितों की पहचान की गई, जिन्हें मौके पर ही काउंसलिंग के उपरांत आयुर्वेदिक दवाइयां उपलब्ध कराई गई। इसके अलावा पहले से उपचाराधीन 8 ड्रग पीड़ितों को भी परामर्श देकर दवा वितरित की गई, ताकि उनका उपचार नियमित रूप से जारी रह सके। इसके अलावा नशा मुक्ति टीम द्वारा गांव कंवलगढ़ के सरकारी स्कूल में एक जागरूकता सेमिनार भी आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों को नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक व सामाजिक नुकसान के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। छात्रों को यह संदेश दिया गया कि नशे से दूरी ही सुरक्षित और सफल भविष्य की कुंजी है। इसी क्रम में टोहाना नशा मुक्ति अभियान के तहत एसआई सज्जन के नेतृत्व में नशा मुक्ति टीम ने शहर के वार्ड नंबर 1 व 2 में सर्वे अभियान चलाया। सर्वे के दौरान 6 नए ड्रग पीड़ितों की पहचान की गई। टीम द्वारा काउंसलिंग व प्रेरणा देने के बाद इनमें से 4 ड्रग पीड़ितों ने स्वेच्छा से उपचार के लिए सहमति जताई। पीड़ित युवाओं को नागरिक अस्पताल टोहाना लाया गया, जहां उनका ब्लड सैंपल परीक्षण करवाया गया तथा आवश्यक दवाइयां दिलवाई गई। टीम द्वारा वार्ड 1 व 2 में विभिन्न स्थानों पर लोगों और युवाओं को एकत्रित कर नशे के खिलाफ एकजुट होने व अभियान में सहयोग देने के लिए प्रेरित किया गया। विशेष रूप से युवाओं पर फोकस किया गया, ताकि कोई भी नया युवा इस बुराई की चपेट में न आए।

टोहाना। नशे के खिलाफ युवाओं को जागरूक करते नशामुक्ति टीम में शामिल पुलिस कर्मचारी। *फोटो : हरिभूमि*

नशे की लत अपराध नहीं, बल्कि एक बीमारी

नशा मुक्ति टीम ने आमजन को बताया कि नशे की लत कोई अपराध नहीं बल्कि एक बीमारी है, जिसका इलाज संभव है। नागरिक अस्पताल में कमरा नंबर 14 में डॉक्टर कुणाल से संपर्क कर निशुल्क उपचार व परामर्श प्राप्त किया जा सकता है। आमजन से अपील की गई कि वे स्वयं आगे आएं और दूसरों को भी नशा मुक्ति के लिए प्रेरित करें।

महापरिनिर्वाण दिवस पर डेरा बाबा भूमणशाह में गोकथा आज से

- गोकथा का वाचन प्रेमानंद महाराज करेंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭| सिरसा

मुख्य डेरा बाबा भूमणशाह में उदासीन संत बाबा भूमणशाह के 278वें महापरिनिर्वाण दिवस की तैयारियां पूर्ण हो चुकी हैं। डेरे के सेवक सचिव विनोद एडवोकेट ने बताया कि महापरिनिर्वाण दिवस की तैयारियों के रूपन में डेरे को रंग-बिरंगी विद्युत लडियों से भव्य रूप से सजाया गया है। उन्होंने बताया कि महापरिनिर्वाण दिवस पर कल 22 दिसंबर को गोकथा का शुभारंभ सुबह 11 बजे मुख्य धाम बाबा भूमणशाह के गद्दीनशीन संत बाबा ब्रह्मदास महाराज करेंगे। गोकथा का वाचन प्रेमानंद महाराज करेंगे। गोकथा प्रतिदिन प्रात. 11 बजे से 1.30 बजे तक आयोजित होगी।

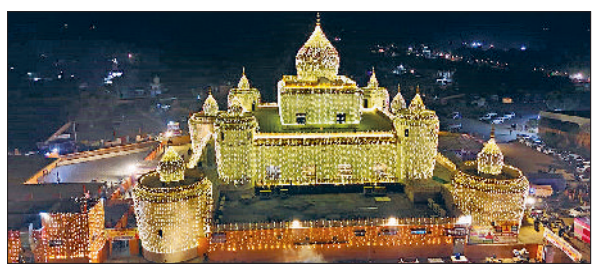

सिरसा। रंग-बिरंगी विद्युत लड़ियों से भव्य रूप से सजाया गया डेरा बाबा भूमण शाह।

सारी व्यवस्थाएं की पूर्ण

महापरिनिर्वाण दिवस पर लंगर व्यवस्था, सुरक्षा, यातायात व्यवस्था, दरबार व्यवस्था, लाइट-पानी व्यवस्था, सफाई व्यवस्था, चिकित्सा, वीआईपी, श्रद्धालुओं के रहने व ठहरने की उचित व्यवस्था है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की समस्याओं का सामना न करना पड़े। उन्होंने बताया कि 25 दिसंबर को श्री अखंड पाठ का शुभारंभ होगा, इसके अलावा फ्री चिकित्सा शिविर का शुभारंभ डेरे के गद्दीनशीन संत बाबा ब्रह्मदास महाराज करेंगे। उन्होंने बताया कि आगामी 26 दिसंबर को शहीद उधम सिंह के जन्मोत्सव पर अनेक धार्मिक कार्यक्रम, खेल उत्सव, रक्तदान शिविर का शुभारंभ बाबा ब्रह्मदास महाराज करेंगे। इसके अलावा शाम को शब्द कीर्तन का भी आयोजन किया जाएगा। महापरिनिर्वाण दिवस पर 27 दिसंबर 2025 को सुबह श्री अखंड पाठ का भोग डाला जाएगा।

खबर संक्षेप

पूर्व मंत्री रणजीत सिंह ने ली समर्थकों की बैठक

फतेहाबाद। पूर्व बिजली मंत्री रणजीत सिंह ने रविवार को फतेहाबाद में अपने समर्थकों की बैठक को संबोधित किया। पंचायत भवन में हुई इस मीटिंग में जिलेभर से उनके लंबे समय से जुड़े समर्थक और कार्यकर्ता शामिल हुए। बैठक के दौरान रणजीत सिंह ने अपने साथियों से आगे की रणनीति पर चर्चा की। बैठक को संबोधित करते हुए रणजीत सिंह ने कहा कि वह इन दिनों हर जिले में जाकर अपने पुराने साथियों से मुलाकात कर रहे हैं। उनका मकसद जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं की राय जानना और भविष्य की योजनाओं को लेकर सुझाव लेना है। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि क्षेत्रीय पार्टियों का अब कोई वजूद नहीं बचा है। रणजीत सिंह ने संकेत दिए कि कार्यकर्ताओं से मिले सुझावों के आधार पर जल्द ही प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। फरवरी या मार्च में यह कार्यक्रम होगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे जनता से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता सरकार की खामियों को भी जनता के सामने रखने का काम करें।

किड्स केयर कैंपस में डांस वर्कशॉप 25 से

फतेहाबाद। सिटी वेलफेयर क्लब द्वारा 13वीं निशुल्क डांस वर्कशॉप का आयोजन 25 दिसंबर से 10 जनवरी तक पपीहा पार्क के पास स्थित किड्स केयर कैम्पस स्कूल में किया जाएगा। इस वर्कशॉप में 10 वर्ष से ऊपर सिर्फ लड़कियों को निःशुल्क डांस सिखाया जाएगा। जाने माने नृत्य निर्देशक कुलदीप बाकोलिया व सोनिया के सानिध्य में इस वर्कशॉप में बच्चियों को विभिन्न तरह के हरियाणवी, पंजाबी, राजस्थानी, गुजराती डांस के स्टेप सिखाए जाएंगे। संस्था अध्यक्ष विनोद अरोड़ा, प्रोजेक्ट इंचार्ज मीना मोंगा, महेंद्र मदान व लवली मैहता ने बताया कि इस तरह का आयोजन सिटी वेलफेयर क्लब द्वारा ही हर साल किया जाता है और यहां से नृत्य सीखने के बाद बच्चियों को 11 जनवरी को लोहड़ी बेटियों के नाम कार्यक्रम अरुणेश धर्मशाला में भव्य मंच भी प्रदान किया जाता है। बच्चियों को सर्टिफिकेट व विभिन्न पुरस्कार भी दिये जाते है।

एग्रीस्टैक किसान पंजीकरण से डिजिटल डाटा तैयार होगा

जिले के विभिन्न गांवों में 31 दिसंबर तक लगेंगे विशेष शिविर

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद।

जिला फतेहाबाद में केंद्र सरकार के डिजिटल एग्रीकल्चर मिशन के तहत एग्रीस्टैक किसान पंजीकरण अभियान शुरू हो गया है। इसका मुख्य उद्देश्य किसानों तक सरकारी योजनाओं का लाभ तेज, पारदर्शी और सरल तरीके से पहुंचाना है। उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने किसानों से अपील की है कि वे अपने निकटतम शिविर में पहुंचकर पंजीकरण करवाएं और इस डिजिटल पहल का अधिकतम लाभ उठाएं।

एग्रीस्टैक एक डिजिटल कृषि इकोसिस्टम है जो किसानों का समग्र डेटाबेस तैयार करता है। इसमें किसान की पहचान, भूमि रिकॉर्ड, फसल विवरण, आय, ऋण और बीमा इतिहास जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां शामिल होंगी। इससे किसानों को एक यूनिक किसान आईडी मिलेगी, जिससे पीएम-किसान, फसल बीमा, कृषि ऋण, सब्सिडी और अन्य सरकारी योजनाओं के लाभ सीधे बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से प्राप्त होंगे। बिचौलियों की भूमिका कम होगी, कागजी कार्यवाही खत्म होगी और प्रक्रिया तेज एवं पारदर्शी बनेगी। उपायुक्त ने बताया कि पंजीकरण के लिए कृषि एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीमें गठित की गई हैं। इन टीमों को आवश्यक प्रशिक्षण दे दिया गया है। ग्राम सचिवों और चौकीदारों के माध्यम से गांवों में व्यापक प्रचार किया जा रहा है ताकि अधिक से अधिक किसान शिविरों में भाग लें।

उपायुक्त ने कहा कि एग्रीस्टैक से किसानों को मौसम पूर्वानुमान, मिट्टी स्वास्थ्य, बाजार मूल्य और बेहतर फसल सलाह मिलेगी। एक बार पंजीकरण होने पर बार-बार दस्तावेज जमा करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। उन्होंने सभी किसानों से आग्रह किया कि निर्धारित तिथि पर अपने गांव के शिविर में आधार कार्ड, भूमि रिकॉर्ड और अन्य आवश्यक दस्तावेज लेकर पहुंचें तथा इस महत्वपूर्ण अभियान का हिस्सा बनें।

फतेहाबाद। एग्रीस्टैक किसान पंजीकरण अभियान के तहत आयोजित शिविर में पंजीकरण का कार्य करते हुए कर्मचारी।

जाखल व कुलां में ऐसे लगेंगे कैंप

तहसील जाखल के गांव शकरपुरा में रविवार को शिविर लगा वहीं साधनवास गांव में 22 दिसंबर, कुदनी में 23 दिसंबर, जाखल में 24 दिसंबर, मामुपुर में 25 दिसंबर, कासमपुर में 26 दिसंबर, उदयपुर में 27 दिसंबर, सिधानी में 28 दिसंबर, चिल्लेवाल में 29 दिसंबर, मरथला में 30 दिसंबर, नत्थूवाल में 31 दिसंबर को तथा तहसील कुलां के गांव इंदाखुई में 22 दिसंबर, नन्हेडी में 23 दिसंबर, अक्कांवाली में 24 दिसंबर, कुलां में 25 दिसंबर, रसूलपुर में 26 दिसंबर, भोडी में 27 दिसंबर, जापतेवाला में 28 दिसंबर, मघेड़ा में 29 दिसंबर, दीवाना में 30 दिसंबर तथा धारसुल खुर्द में31 दिसंबर को शिविर लगेंगे।

फतेहाबाद व टोहाना तहसील में शिविरों का शेड्यूल

तहसील फतेहाबाद में गांव धांगड़ एवं नागपुर में जहां रविवार को शिविर का आयोजन किया गया वहीं गांव गिलांखेड़ा एवं चनकोठी में 22 दिसंबर को, एम.पी. रोही एवं दरियापुर में 23 दिसंबर, भट्टू खुर्द एवं हिजरावां खुर्द में24 दिसंबर, भिरडाना एवं बीघड़ में 25 दिसंबर, हिजरावां कलां एवं ढाणी ठोबा में 26 दिसंबर, बरसीन में 27 दिसंबर, रजाबाद एवं भूथन कलां में 28 दिसंबर, बनगांव एवं कुकडांवाली में 29 दिसंबर, बहबलपुर एवं खुंबर में 30 दिसंबर तथा खारा खेड़ी एवं करनोली में 31 दिसंबर) को शिविर लगेंगे। टोहाना तहसील के गांव जमालपुर शेखां एवं ललोदा में शनिवार व रविवार को शिविर आयोजित किए गए। इसके अलावा गांव हांसेवाला एवं नांगली में 22 दिसंबर, कन्हडी एवं बोस्ती में 23 दिसंबर, डांगरा एवं चंदड कलां में 24 दिसंबर, कमालवाला एवं गाजुवाला में 25 दिसंबर, चितैन एवं मालाहेड़ी में 26 दिसंबर, हिम्मतपुरा एवं भट्टू में 27 दिसंबर, रत्ता खेड़ा एवं ठरवी में 28 दिसंबर, लोहा खेड़ा एवं खनोरा में 29 दिसंबर, सनियाना एवं समैन में 30 दिसंबर तथा दमकोरा एवं आमानी 31 दिसंबर को शिविर आयोजित किए जाएंगे।

रतिया, भूना व भट्टू में लगेंगे कैंप

तहसील रतिया के गांव अलालवास एवं अहरवां में रविवार को कैम्प आयोजित किया गया। मोहमदपुर सोतर एवं बबनपुर में 22 दिसंबर, लांबा एवं रतनगढ़ में 23 दिसंबर, ब्रह्मानवाला एवं कलोठा में 24 दिसंबर, चिम्मो एवं हडोली में 25 दिसंबर, नंगल एवं खूनन में 26 दिसंबर, रतिया एवं हमजापुर में 27 दिसंबर, कुनाल एवं कमाना में 28 दिसंबर, खेरपुर एवं घासवा में 29 दिसंबर, बलियाला एवं रोजांवाली में 30 दिसंबर, हुकमावाली एवं बुर्ज में 31 दिसंबर को शिविर लगेंगे। तहसील भुना के गांव धौलू में आज शिविर लगा वहीं भुना में 22 दिसंबर, जांडली खुर्द में 23 दिसंबर, नेहला में 24 दिसंबर, गोरखपुर में 25 दिसंबर, बुआन में 26 दिसंबर, सिंथला में 27 दिसंबर, दहमान में 28 दिसंबर, डुल्ट में 29 दिसंबर, खासा पठाना में 30 दिसंबर तथा चंदडकलां में 31 दिसंबर को शिविर आयोजित किए जाएंगे भट्टूकलां के गांव किरढ़ान में 22, पीली मंढोरी में 23, ठुईयां में 24, सूली खेड़ा में 25, ढांड में 26, ढाबी कलां में 27, खाबड़ा कलां में 28, जांडवाला में 29, बनावली में 30 तथा पीलीमंढोरी में 31 दिसंबर को शिविर लगेंगे।

रतिया। वाहन पर रिफ्लेक्टर लगाते लगाते हुए थाना अध्यक्ष पुष्पा सिहाग।

लायंस क्लब रतिया सिटी ने लगाया रिफ्लेक्टर कैंप

हरिभूमि न्यूज ⏭ रतिया

लायंस क्लब रतिया सिटी द्वारा रविवार को संजय गांधी चौक में रिफ्लेक्टर कैंप लगाया गया। कैम्प में आने जाने वाले सभी वाहनों पर दुर्घटना से बचाव के लिए रिफ्लेक्टर लगाए। इस अवसर पर प्रधान हरवीर जोड़ा व सदस्यों ने मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर विशाल बढेरा, संजय गांधी, महेश बांसल, एलसीआईएफ कोऑर्डिनेटर हरदीप सरकारीया का स्वागत किया। इस कार्यक्रम में रतिया सिटी थाना इंचार्ज पुष्पा सिहाग ने सभी वाहन चालकों वअन्य लोगों से अपील की कि कोहरे के कारण वह बहुत ही सावधानी से वाहन चलाएं व ट्रैफिक के सभी नियमों का पालन करें जिससे दुर्घटनाओं से बचा जा सके। अतिथियों ने भी वाहन चालकों से सावधानी से वाहन चलाने की अपील की। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर विशाल बढेरा ने कहा कि रिफ्लेक्टर अभियान एक महत्वपूर्ण पहल है जिसका उद्देश्य सडक़ सुरक्षा को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर प्रदीप बांसल, हरवीर जोड़ा, अमीर तनेजा, राजकुमार अरोड़ा, खेमचंद मोंगा, शिंकु अरोड़ा, राजकुमार खंडू, डिंपल, राम गोपाल, डॉ. नरेश जिंदल, जीवन रहेजा, वीरभान बंसल, सुखचरण अरोड़ा, सतीश सरदाना व शिव गर्ग उपस्थित रहे।

■ वाहन चालकों से सतर्कता की अपील

धुंध में सावधानी से वाहन चलाने का आह्वान

इस अभियान के तहत, लोगों को रिफ्लेक्टर टेप और अन्य सडक़ सुरक्षा उपकरणों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, ताकि वे रात में या कम दृश्यता वाले क्षेत्रों में अधिक सुरक्षित रूप से यात्रा कर सकें। उन्होंने कहा कि रिफ्लेक्टर अभियान के तहत, लोगों को रिफ्लेक्टर टेप और अन्य सडक़ सुरक्षा उपकरणों का उपयोग करने के लिए जागरूक किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य सडक़ दुर्घटनाओं को कम करना और लोगों की जान बचाना है। रिफ्लेक्टर अभियान के तहत, लोगों को निम्नलिखित बातों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है रिफ्लेक्टर टेप का उपयोग करें*: रिफ्लेक्टर टेप को अपने वाहन पर लगाएं, ताकि आप रात में या कम दृश्यता वाले क्षेत्रों में अधिक सुरक्षित रूप से यात्रा कर सकें। प्रधान हरवीर जोड़ा ने कहा कि रिफ्लेक्टर अभियान एक महत्वपूर्ण पहल है जो सडक़ सुरक्षा को बढ़ावा देने में मदद कर रही है।

सेंट जोसेफ स्कूल में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ⏭ टोहाना

भूना रोड स्थित सेंट जोसेफ इंटरनेशनल स्कूल में ब्रेनियाक अवार्ड 4.0 वार्षिकोत्सव का आयोजन धूमधाम से किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल प्राचार्या मारियालीन लुईस, उप प्राचार्या कुलदीप कौर, डिफेंस डिग्री प्राचार्य जसवीर नैन, डिफेंट पीजी कॉलेज ऑफ एजुकेशन प्राचार्य तरसेम चंद, हेरिटेज स्कूल ऑफ नर्सिंग प्राचार्या परमजीत कौर व डिफेंस आईटीआई प्राचार्य राजकुमार ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। प्राचार्या मारियालीन लुईस ने अभिभावकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि विद्यालय ने हमेशा शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त की है और यह छात्रों के संघर्ष और कड़ी मेहनत का परिणाम है। उप प्राचार्या कुलदीप कौर ने बताया कि इस अवसर पर कांतारा नृत्य विशेष आकर्षण का केंन्द्र रहा। पंजाबी, हरियाणवी, क्लासिकल, अरेबियन नृत्य की प्रस्तुतियों में विद्यार्थियों ने अपनी शानदार कला का प्रदर्शन किया। यह वार्षिकोत्सव दर्शकों के लिए एक यादगार अनुभव बन गया। इस अवसर पर सत्र 2024-25 में कक्षा में पॉजिशन हासिल करने वाले तथा प्रदेश स्तरीय खेलों में अव्वल रहे विद्यार्थियों को ट्राफी देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्या मारियालीन लुईस ने सबका आभार जताया।

टोहाना। वार्षिकोत्सव में प्रस्तुति देते विद्यार्थी।

■ वार्षिक उत्सव में पंजाबी व अन्य नृत्यों की प्रस्तुतियां दी

गांधी विद्या मंदिर में क्विज प्रतियोगिता का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

सेक्टर -12 स्थित गांधी विद्या मंदिर स्कूल में क्विज कंटेस्ट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के प्रिंसीपल सुशील शर्मा व वाइस प्रिंसीपल मोनिका शर्मा के स्वागत से हुई। मंच संचालन सीमा आर्या, सीमा धमीजा, किरन व स्नेहा मैहता द्वारा किया गया। इस प्रतियोगिता में कक्षा एम-1 से नौवीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। सुपर जूनियर ग्रुप में कक्षा एम-1 से एम-3, जूनियर-ए ग्रुप में कक्षा पहली व दूसरी, जूनियर बी ग्रुप में कक्षा तीसरी से पांचवीं तथा सीनियर ग्रुप में कक्षा छठी से नौवीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में पांच टीमों का गठन किया गया। प्रिंसीपल सुशील शर्मा ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं के आयोजन से बच्चों के सामान्य ज्ञान में वृद्धि होती है। उनकी मानसिक क्षमता का विकास होता है। यही क्षमता भविष्य में बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करती है। प्रत्येक टीम से सात राउंड्स में प्रश्न पूछे गए। प्रतियोगिता का सबसे आकर्षक राउंड 'बर्जर राउंड' रहा, जिसमें बच्चों का उत्साह देखने लायक था। हर राउंड के बाद ऑडियंस के लिए भी आकर्षक प्रश्न थे, जिनका उत्तर ऑडियंस ने बड़ी उत्सुकता से दिया। अंत में स्कूल की वाइस प्रिंसीपल मोनिका शर्मा ने विजेता बच्चों को पुरस्कृत किया। उन्होंने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रत्येक बच्चे को समझाया कि वे परिणाम की चिंता न करें, बल्कि प्रतियोगिता में भाग लेना ही अपने आप में बड़ी उपलब्धि है।

■ विजेता बच्चों को पुरस्कार देकर किया सम्मानित

फतेहाबाद। गांधी विद्या मंदिर में विजेता टीम को पुरस्कृत करते वाइस प्रिंसीपल मोनिका शर्मा। फोटो: हरिभूमि

लायंस क्लब ने ट्रैफिक पुलिस के साथ मिलकर वाहनों पर लगाए रिफ्लेक्टर

हरिभूमि न्यूज ⏭ टोहाना

लायंस क्लब द्वारा ट्रेफिक पुलिस के सहयोग से टोहाना में रिफ्लेक्टर लगाओ अभियान चलाया गया। इस दौरान टोहाना में टाउन पार्क के सामने हिसार रोड पर वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगाए गए। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य धुंध और कम दृश्यता वाले मौसम में सडक़ दुर्घटनाओं को रोकना तथा वाहन चालकों और राहगीरों की सुरक्षा सुनिश्चित करना रहा। अभियान के दौरान ट्रक, बस, ट्रैक्टर-ट्रॉली सहित अन्य वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगाए गए, ताकि वे रात और धुंध के समय दूर से ही स्पष्ट रूप से दिखाई दे सकें। टोहाना ट्रैफिक इंचार्ज उपनिरीक्षक धर्मचंद ने बताया कि सर्दियों के मौसम में धुंध के कारण सडक़ दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। ऐसे में रिफ्लेक्टर लगे होने से पीछे से आने वाले वाहनों को आगे चल रहे वाहन की स्थिति का समय रहते अंदाजा हो जाता है, जिससे हादसों की संभावना काफी हद तक कम हो जाती है।

टोहाना। वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगाते ट्रेफिक पुलिस कर्मी और लायंस क्लब सदस्य। फोटो: हरिभूमि

रविवार को पुलिस कर्मचारियों ने किया श्रमदान थानों-चौकियों की सफाई कर किया चकाचक

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन के मार्गदर्शन में फतेहाबाद पुलिस द्वारा शुरू की गई 'स्वच्छ थाना-चौकी पहल' के तहत रविवार को जिलेभर में पुलिस कर्मचारियों ने श्रमदान किया। पुलिस कर्मचारियों ने थानों-चौकियों में साफ-सफाई की वहीं पौधे भी लगाए। पुलिस कर्मचारियों की यह पहल न केवल थाना परिसरों की साफ-सफाई तक सीमित है, बल्कि इससे पुलिस के कार्य-व्यवहार, अनुशासन और जनसेवा की सोच में भी स्पष्ट सुधार देखने को मिल रहा है। इस अभियान के तहत जिले के सभी थानों और चौकियों में प्रत्येक रविवार पुलिस अधिकारी व कर्मचारी मिलकर श्रमदान कर रहे हैं। साफ-सफाई के साथ-साथ रिकॉर्डों के व्यवस्थित रख-रखाव, पुराने सामान की छंटाई, पेंटिंग, मरम्मत और कार्यालयीन व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

■ एसपी के मार्गदर्शन में चला अभियान

फतेहाबाद। थानों में साफ-सफाई करते पुलिस कर्मचारी। फोटो: हरिभूमिम

पुलिस ने थाने में लगाया भंडारा जरूरतमंदों को कंबल वितरित

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

जिला पुलिस न केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने में बल्कि सामाजिक सरोकारों और मानवीय सेवा में भी निरंतर अग्रणी भूमिका निभा रही है। इसी कड़ी में थाना भुना पुलिस द्वारा समाज के कमजोर वर्गों के लिए एक सराहनीय पहल की गई। भुना पुलिस प्रभारी उपनिरीक्षक ओमप्रकाश के नेतृत्व में थाना भुना परिसर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आमजन, राहगीरों एवं जरूरतमंद लोगों को प्रेमपूर्वक भोजन कराया गया। भंडारे के दौरान सामाजिक समरसता और सेवा भावना का संदेश भी दिया गया। इसके साथ ही पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार जरूरतमंद लोगों को सर्दी से बचाव के लिए कंबल वितरित किए गए, जबकि छोटे बच्चों को गर्म कपड़े प्रदान किए गए, ताकि ठंड के मौसम में उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। इस मानवीय पहल से जरूरतमंद को कंबल भेंट किए।

फतेहाबाद। जरूरतमंदों को कंबल वितरित करते भूना एसएचओ।

स्वास्थ्य | साधकों को सहज ध्यान की महत्ता की जानकारी दी

आयुष विभाग फतेहाबाद ने ब्रह्माकुमारी आश्रम में मनाया दूसरा अंतरराष्ट्रीय ध्यान दिवस

ध्यान से आत्म-परिवर्तन, आत्म-शांति और स्वस्थ समाज की ओर कदम : संगीता दीदी

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

आयुष विभाग फतेहाबाद द्वारा दूसरा अंतरराष्ट्रीय ध्यान दिवस श्रद्धा, अनुशासन और सकारात्मक ऊर्जा के वातावरण में अशोक नगर स्थित ब्रह्माकुमारी आश्रम में मनाया गया। यह कार्यक्रम महानिदेशक आयुष विभाग, पंचकूला तथा हरियाणा योग आयोग के तत्वाधान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. प्रवीण शर्मा के मार्गदर्शन एवं निर्देशानुसार किया गया। इस अवसर पर आयोजित ध्यान शिविर की समन्वयक जिला योग समन्वयक डॉ. भारती चौहान रहीं, जबकि कार्यक्रम की देखरेख जिला योग विशेषज्ञ अंबिका पांटा द्वारा की गई। ध्यान शिविर में ब्रह्माकुमारी आश्रम के नियमित साधकों के साथ-साथ आयुष विभाग जिला फतेहाबाद के समस्त आयुष योग सहायकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। ध्यान सत्र के दौरान ब्रह्माकुमारी आश्रम की ब्रह्माकुमारी संगीता दीदी एवं मदन भाई ने उपस्थित साधकों को संबोधित करते हुए कहा कि स्व-परिवर्तन से ही विश्व-परिवर्तन संभव है। उन्होंने राजयोग अर्थात सहज ध्यान की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह अभ्यास आत्म-ज्ञान, आंतरिक शांति और दैवीय गुणों जैसे प्रेम, विनम्रता एवं पवित्रता को जागृत करता है। जिला योग कोऑर्डिनेटर डॉ. भारती चौहान ने कहा कि ध्यान प्रत्येक मनुष्य के जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है। यदि कोई व्यक्ति तन और मन दोनों से स्वस्थ रहना चाहता है, तो उसे नित्य प्रति ध्यान को करना चाहिए।

फतेहाबाद। कार्यक्रम का शुभारंभ करते अतिथिगण। फोटो: हरिभूमि

तनाव के कारण बढ़ रही बीमारियां

कार्यक्रम के समापन पर योग विशेषज्ञ अंबिका पांटा ने सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद करते हुए कहा कि वर्तमान समय में अधिकांश लोग मानसिक तनाव और मानसिक बीमारियों से जूझ रहे हैं, जिसका मुख्य कारण स्वयं के लिए समय न निकाल पाना है। उन्होंने कहा कि जब व्यक्ति अपने मन रूपी बैटरी को पवित्र और सकारात्मक विचारों से चार्ज नहीं करता, तो वह धीरे-धीरे मानसिक असंतुलन की ओर बढ़ता जाता है। इसका एकमात्र और सरल उपाय ध्यान है। प्रत्येक व्यक्ति को स्वस्थ रहने और एक अच्छे समाज की नींव रखने के लिए ज्ञान एवं ध्यान के माध्यम से स्वयं को मानसिक रूप से सशक्त बनाना होगा।

न्याय मार्च को लेकर सभी डिपुओं में रोष मीटिंग करेगा सांझा मोर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

कर्मचारियों की मानी गई मांगों को लागू करवाने के लिए व रोडवेज विभाग विरोधी नीतियों के विरोध में आगामी 18 जनवरी को अंबाला छावनी में परिवहन मंत्री आवास पर न्याय मार्च निकाला जाएगा, जिसमें प्रदेशभर से सभी डिपो व सब डिपो के कर्मचारी भाग लेंगे। कर्मचारी नेता निशान सिंह व जयबीर घणघस ने रविवार को सिरसा डिपो में कर्मचारियों को संबोधित करते हुए यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार रोडवेज कर्मचारियों की मांगों को जायज मानकर समय-समय पर कर्मचारी नेताओं के साथ बैठक करके समझौता तो कर लेती हैं परंतु मानी गई जायज मांगों को लागू नहीं कर रही हैं। उन्होंने बताया कि इसकी तैयारी के लिए सांझा मोर्चे ने दो टीमों का गठन किया है, जो सभी डिपो में गेट मीटिंग करेंगी। उन्होंने बताया कि कल 22 दिसंबर को नारनौल डिपो, 23 दिसंबर को भिवानी व दादरी डिपो, 26 दिसंबर को फतेहाबाद व सिरसा डिपो, 29 दिसंबर को पलवल व नूंह डिपो, 5 जनवरी को देहली व सोनीपत डिपो, 8 जनवरी को कैथल व कुरुक्षेत्र डिपो, 12 जनवरी को अंबाला डिपो, दूसरी टीम 24 दिसंबर को झज्जर व रेवाड़ी डिपो में बैठक करेंगे।

■ रोडवेज कर्मचारी प्रदर्शन की तैयारी में जुटे

सिरसा। न्याय मार्च की तैयारी को लेकर डिपो में मीटिंग करते हुए रोडवेज कर्मी।